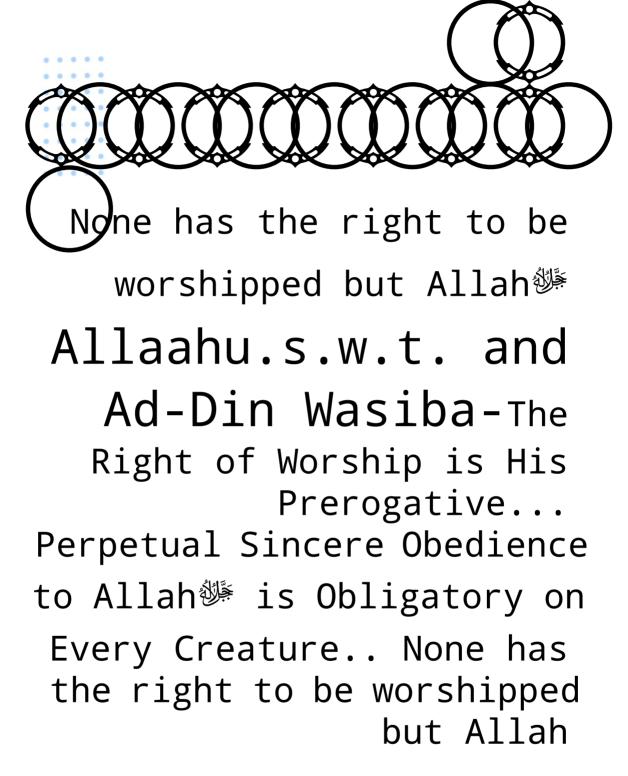
اُللہ تعالی کی عبادہ لازم ھے سارے مخلوق کےلے

کیا پھر تم اس کے سوا إدھر اُدھر ، اِلتفات کا شکار ھو

، بهتر۷۲بهانے پارکرنا بس کی بات ،درگاه عملیات،شخص پرستش ؟وغیره . ،خانخاه







Luqman (31:20)

بس<u>اراللهم</u> الرحيمان مرادخيمان

ألم تروا أن الله سَخرَ لكم ما في السموات وما في الأرض وأسبعَ عليْكم والسموات وما في الأرض وأسبعَ عليْكم نعمه والمعرة وباطنة ومن الناس من يحدل في الله بعير علم ولا هدى ولا كتاب منير

难道你们不知道吗?真主曾为你们制服天地间的一切, 他博施你们表里的恩惠。有人争论真主的德性,但他 们既无知识,又无向导,且无灿烂的经典。

کیا تم نہیں دیکھتے کہ الله تعالیٰ نے



زمین وآسمان کی ہر چیز کو ہمارے کام میں لگا رکھا ہے اور تمہیں اپنی ظاہری وباطنی نعمتیں بھرپور دے بعض لوگ الله کے بارے ،رکھی ہیں میں بغیر علم کے اور بغیر ہدایت کے اور بغیر روشن کتاب کے جھگڑا کرتے ہیں

See you not (0 men) that
Allah has subjected for you
whatsoever is in the heavens
and whatsoever is in the
earth, and has completed and
perfected His Graces upon
you, (both) apparent (i.e.
Islamic Monotheism, and the



lawful pleasures of this world, including health, good looks, etc.) and hidden [i.e. One's Faith in Allah

(of Islamic Monotheism)
knowledge, wisdom, guidance
for doing righteous deeds,
and also the pleasures and
delights of the Hereafter in
Paradise, etc.]? Yet of
mankind is he who disputes
about Allah∰ without
knowledge or guidance or a
Book giving light!

क्या तुमने देखा नहीं कि अल्लाह ने, जो कुछ आकाशों में और जो कुछ धरती में है, सबको तुम्हारे काम में लगा रखा है और उसने तुमपर अपनी प्रकट और अप्रकट अनुकम्पाएँ पूर्ण कर दी है? इसपर भी कुछ लोग ऐसे है जो अल्लाह के विषय में बिना Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela,



4HeroXeroMassLames.....Folio.....5

किसी ज्ञान, बिना किसी मार्गदर्शन और बिना किसी प्रकाशमान किताब के झगड़ते है

তোমরা কি দেখতে পাও নি যে আল্লাহ্
তামাদের জন্য অনুগত করে দিয়েছেন যা কিছু
রয়েছে মহাকাশমন্ডলীতে ও যা কিছু আছে
পৃথিবীতে, আর তোমাদের প্রতি তিনি পূর্ণমাত্রায়
অর্পণ করেছেন তাঁর অনুগ্রহসামগ্রী -- প্রকাশ্য ও
অপ্রকাশ্য? আর লোকেদের মধ্যে এমনও আছে
যে আল্লাহ্
সম্বন্ধে বাক্-বিতন্ডা করে কোনো
জ্ঞান ছাড়াই ও কোনো পথনির্দেশ ব্যতীত এবং
উজ্জ্বল গ্রন্থ ব্যতিরেকে।



Ibrahim (14:34)



وَءَاتَنكُم مِن كُلِّ مَا سَأَلْتُمُوهُ وَإِن تَعُدُوا ﴿ وَاللَّهُ مَا سَأَلْتُمُوهُ وَإِن تَعُدُوا ﴿ نِعْمَتَ ٱللَّهِ لَا تُحْصُوهَا إِنَّ ٱلْإِنسَانَ لَظُلُومٌ لِغُمَتَ ٱللَّهِ لَا تُحْصُوهَا إِنَّ ٱلْإِنسَانَ لَظُلُومٌ



你们对主的要求,他对你们都有所赏赐。如果你们计 算真主的恩惠,你们不能加以统计。人确是很不义的, 确是忘恩负义的。

اسی نے تمہیں تمہاری منہ مانگی کل چیزوں میں سے دے رکھا ہے۔ اگر تم الله کے احسان گننا چاہو تو انہیں پورے گن بھی نہیں سکتے۔ یقینا انسان بڑا ہی ہے انصاف اور ناشکرا ہے

And He gave you of all that you asked for, and if you count the Blessings of Allah, never will you be able to count them. Verily!

Man is indeed an extreme wrong-doer, - a disbeliever



(an extreme ingrate, denies Allah 's Blessings by disbelief, and by worshipping others besides Allah , and by disobeying Allah and His Prophet Muhammad SAW).

और हर उस चीज़ में से तुम्हें दिया जो तुमने उससे माँगा यदि तुम अल्लाह की नेमतों की गणना नहीं कर सकते। वास्तव में मनुष्य ही बड़ा ही अन्यायी, कृतघ्न है

আর তিনি তোমাদের প্রদান করেন তোমরা তাঁর কাছে যা প্রার্থনা কর তার সব-কিছু থেকেই। আর তোমরা যদি আল্লাহ্ র অনুগ্রহ গণনা করতে যাও তোমরা তা গণতে পারবে না। মানুষ আলবৎ বড়ই অন্যায়কারী, অত্যন্ত অকৃতজ্ঞ।





An-Nahl (16:52)An-Nahl (16:52) بساالله بساالله بساالله بساالله بساالله

وَلهُ مَا فِى ٱلسَّمُوٰتِ وَٱلأَرْضِ وَلهُ ٱلدِّينُ وَاصِبًا أَفْعَيْرَ ٱللهِ تَتَقُونَ

آسمانوں میں اور زمین میں جو کچھ ہے سب اسی کا ہے اور اسی کی عبادت لازم ہے، کیا پھر تم اس کے سوا اوروں سے ڈرتے ہو؟

天地万物只是他的,顺从常常只归于他。难道你们舍 真主而敬畏他物吗?

To Him belongs all that is in the heavens and (all that is in) the earth and Ad-Din Wasiba is His [(i.e. perpetual sincere obedience



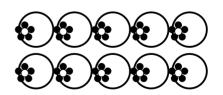
to Allah is obligatory).

None has the right to be worshipped but Allah)].

Will you then fear any other than Allah ?

जो कुछ आकाशों और धरती में है सब उसी का है। उसी का दीन (धर्म) स्थायी और अनिवार्य है। फिर क्या अल्लाह के सिवा तुम किसी और का डर रखोगे?

আর মহাকাশমন্ডলে ও পৃথিবীতে যা-কিছু আছে তা তাঁরই, আর ধর্ম সর্বদাই তাঁর। তোমরা কি তবে আল্লাহ্ স্পি ব্যতীত অন্যকে ভয়শ্রদ্ধা করবে?



An-Nahl (16:53)





وَمَا بِكُم مِن تِعْمَةٍ فَمِنَ ٱللهِ ثُمّ إِذَا مَستَكُمُ ٱلضُرُ فَإِلَيْهِ تَجْـُرُونَ

53

凡你们所享受的恩惠都是从真主降下的。然后,当你 们遭难的时候,你们只向他祈祷。

تمہارے پاس جتنی بھی نعمتیں ہیں سب اسی کی دی اب بھی جب ،ہوئی ہیں تمہیں کوئی مصیبت پیش آجائے تو اسی کی طرف نالہ وفریاد کرتے ہو

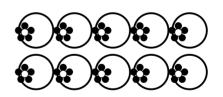
And whatever of blessings



and good things you have, it is from Allah∰. Then, when harm touches you, unto Him you cry aloud for help.

तुम्हारे पास जो भी नेमत है वह अल्लाह है ही की ओर से है। फिर जब तुम्हे कोई तकलीफ़ पहुँचती है, तो तुम उसी से फ़रियाद करते हो

আর তোমরা অনুগ্রহের যে-সব পেয়েছ তা তো আল্লাহ্ রুর কাছ থেকে, আবার যখন দুঃখকষ্ট তোমাদের পীড়া দেয় তখন তাঁর কাছেই তোমরা সাহায্য প্রার্থনা কর।



An-Nahl (16:54)





ثمّ إِذَا كَشَفَ ٱلضُرّ عَنكُمْ إِذَا فُرِيقٌ مِّنكُم بِرَبِّهِمْ يُشْرِكُونَ -

然后,当他解除你们的患难的时候,你们中有一部分 人,立刻以物配他们的主,

اور جہاں اس نے وہ مصیبت تم سے دفع کر دی تم میں سے کچھ لوگ اپنے رب کے ساتھ شرک کرنے لگ جاتے ہیں

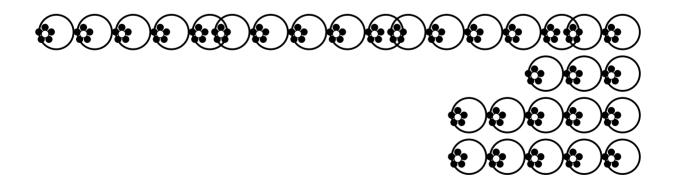
Then, when He has removed the harm from you, behold! Some of you associate others in worship with their Lord



(Allah∰).

फिर जब वह उस तकलीफ़ को तुमसे टाल देता है, तो क्या देखते है कि तुममें से कुछ लोग अपने रब के साथ साझीदार ठहराने लगते है,

তারপর যখন তিনি তোমাদের থেকে দুঃখদুর্দশা দূর করে দেন, দেখো, তোমাদের একদল তাদের প্রভুর সঙ্গে অংশী দাঁড় করায়, --





An-Nahl (16:55)



لِيكُفُرُوا بِمَآ ءَاتِيْنَهُمْ فَتَمَتَّعُوا فُسَوْفَ تَعْلَمُونَ

以致辜负他所赏赐他们的恩惠,你们享受吧。不久你 们就要知道了。

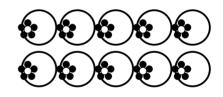
کہ ہماری دی ہوئی نعمتوں کی ناشکری کریں۔ اچھا کچھ فائدہ اٹھالو آخر کار تمہیں معلوم ہو ہی جائے گا

So (as a result of that) they deny (with ungratefulness) that (Allah 's Favours) which We have bestowed on them! Then enjoy yourselves



कि परिणामस्वरूप जो कुछ हमने उन्हें दिया है उसके प्रति कृतघ्नता दिखलाएँ। अच्छा, कुछ मज़े ले लो, शीघ्र ही तुम्हें मालूम हो जाएगा

যাতে তারা অস্বীকার করতে পারে যা আমরা তাদের দিয়েছিলাম। ''অতএব ভোগ করে নাও, শীঘ্রই কিন্তু টের পাবে!''



An-Nahl (16:56)



وَيَجْعَلُونَ لِمَا لَا يَعْلَمُونَ نَصِيبًا مِّمَا رَزَقْنَهُمْ تَأْلِلُهِ لَتُسْ ِٰئُنَ عَمّا كُنتُمْ تَقْتَرُونَ رَزَقْنَهُمْ تَأْلِلُهِ لَتُسْ ِٰئُنَ عَمّا كُنتُمْ تَقْتَرُونَ



•

我所供给他们的财产,他们以其中的一部分去供奉那些无知的(偶像)。指真主发誓,关于你们所捏造的(事物),你们必受审问。

اور جسے جانتے بوجھتے بھی نہیں اس کا حصہ ہماری دی ہوئی روزی واللہ تمہارے ،میں سے مقرر کرتے ہیں اس بہتان کا سوال تم سے ضرور ہی کیا جائے گا

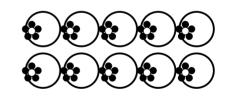
And they assign a portion of that which We have provided them unto what they know not (false deities). By Allah, you shall certainly be questioned about (all) that



you used to fabricate.

हम्यां ने उन्हें जो आजीविका प्रदान की है उसमें वे उसका हिस्सा लगाते है जिन्हें वे जानते भी नहीं। अल्लाह की सौगंध! तुम जो झूठ घड़ते हो उसके विषय में तुमसे अवश्य पूछा जाएगा

আর আমরা আ
জীবনোপকরণ
দিয়েছি তা থেকে এক অংশ তারা নির্ধারিত করে,
তাদের জন্য যাদের সন্বন্ধে তারা জানে না।
আল্লাহ্
র কসম! তোমাদের নিশ্চয়ই প্রশ্ন করা
হবে যা তোমরা উদ্ভাবন করেছিলে সে-সন্বন্ধে।



An-Nahl (16:57)

بس<u>االلهم</u> اللحمن ماللحمد

وَيَجْعَلُونَ لِلهِ ٱلْبَنْتِ سُبْحُنَهُۥ وَلَهُم مَّا . يَشْتَهُونَ يَشْتَهُونَ

他们以女儿归真主--赞颂真主,超绝万物--而以他



们所愿望的归自己。

اور وہ اللہ سبحانہ وتعالیٰ کے لیے لڑکیاں مقرر کرتے ہیں اور اپنے لیے وہ جو اپنی خواہش کے مطابق ہو

And they assign daughters unto Allah !! Glorified (and

Exalted) be He above all that they associate with Him!. And unto themselves what they desire;

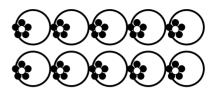
और वे अल्लाह के लिए बेटियाँ ठहराते है - महान और उच्च है वह - और अपने लिए वह, जो वे चाहें

আর তারা আল্লাহ্ঞিতে আরোপ করে কন্যাসন্তান!



সমস্ত মহিমা তাঁরই! –– অথচ নিজেদের জন্য যা তারা কামনা করে।





An-Nahl (16:58)

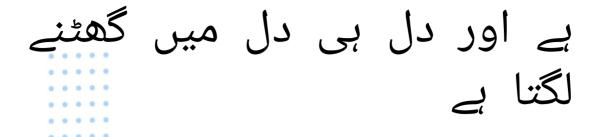


وَإِذَا بُشِرَ أَحَدُهُم بِٱلنَّتَى ٰ ظلَّ وَجُهُهُ وَ مُهُهُ وَجُهُهُ وَ مُهُو مُسُودًا وَهُوَ كَظِيمٌ "

当他们中的一个人听说自己的妻子生女儿的时候,他的脸黯然失色,而且满腹牢骚。

ان میں سے جب کسی کو لڑکی ہونے کی خبر دی جائے تو اس کا چہرہ سیاہ ہو جاتا

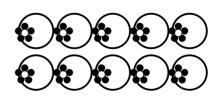




And when the news of (the birth of) a female (child) is brought to any of them, his face becomes dark, and he is filled with inward grief!

और जब उनमें से किसी को बेटी की शुभ सूचना मिलती है तो उसके चहरे पर कलौंस छा जाती है और वह घुटा-घुटा रहता है

আর যখন তাদের কাউকে সুসংবাদ দেয়া হয় মেয়েছেলের সন্বন্ধে তখন তার মুখমন্ডল কালো হয়ে যায়, আর সে হয় বড়ই ব্যথিত।





An-Nahl (16:59)

اللَّخْذُنُ يَتَوَّرَيْ مِنَ ٱلْقَوْمِ مِن سُوَءِ مَا بُشِرَ بِهِ َ أَيُمْسِكُهُ، عَلَىٰ هُونِ أَمْ يَدُسُهُ، فِي ٱلتُرَابِ أَلَا سَاءَ مَا يَحْكُمُونَ

他为这个噩耗而不与宗族会面,他多方考虑:究竟是忍辱保留她呢?还是把她活埋在土里呢?真的,他们 的判断真恶劣。

اس بری خبر کی وجہ سے لوگوں سے چھپا چھپا پھرتا ہے۔ سوچتا ہے کہ کیا اس کو ذلت کے ساتھ لئے ہوئے ہی ،رہے یا اسے مٹی میں دبا دے کیا ہی برے فیصلے کرتے!آہ ہیں؟

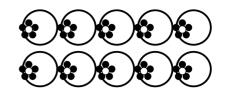


....he hides himself from the people because of the evil of that whereof he has been informed. Shall he keep her with dishonour or bury her in the earth? Certainly, evil is their decision.

जो शुभ सूचना उसे दी गई वह (उसकी दृष्टि में) ऐसी बुराई की बात हुई जो उसके कारण वह लोगों से छिपता फिरता है कि अपमान सहन करके उसे रहने दे या उसे मिट्टी में दबा दे। देखो, कितना बुरा फ़ैसला है जो वे करते है!

সে লোকেদের থেকে নিজেকে লুকোয় তাকে যে সংবাদ দেয়া হয়েছে তার গ্লানির জন্যে। সে কি একে রাখবে হীনতা সত্ত্বেও, না তাকে পুতে ফেলবে মাটির নিচে? তারা যা সিদ্ধান্ত করে তা কি নিকৃষ্ট নয়?





An-Nahl (16:60)

لِلْذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ بِٱلْءَاخِرَةِ مَثَلُ ٱلسَّوْءِ وَلِلّهِ ٱلْمَثَلُ ٱلْأَعْلَىٰ وَهُوَ ٱلْعَزِيرُ ٱلْحَكِيمُ

不信后世者,有恶例; 真主有典型。他确是全能的, 确是至睿的。

اخرت پر ایمان نہ رکھنے و ،الوں کی ہی بری مثال ہے الله کے لیے تو بہت ہی بلند وہ بڑا ہی غالب ،صفت ہے اور باحکمت ہے

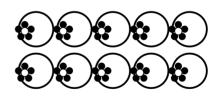
For those who believe not in



the Hereafter is an evil description, and for Allah is the highest description. And He is the All-Mighty, the All-Wise.

जो लोग आख़िरत को नहीं मानते बुरी मिसाल है उनकी। रहा अल्लाह, कि तो उसकी मिसाल अत्यन्त उच्च है। वह तो प्रभुत्वशाली, तत्वदर्शी है

যারা পরকালে বিশ্বাস করে না তাদের গুণবত্তা নিকৃষ্ট, আর আল্লাহ্ র্ঞ্জর হচ্ছে সর্বোন্নত গুণাবলী। আর তিনি মহাশক্তিশালী, পরমজ্ঞানী।



An-Nahl (16:61)





وَلُوْ يُؤَاخِدُ ٱللهُ ٱلنّاسَ بِظُلُمِهِم مَا تَرَكَ عَلَيْهَا مِن دَآبَةٍ وَلَكِن يُؤَخِّرُهُمْ إلى أَجَلَ مُسْمَى فَإِذَا جَآءَ أَجَلَهُمْ لَا يَسْتَـُّخِرُونَ سَاعَةً وَلَا يَسْتَقْدِمُونَ

如果真主为世人的不义而惩治他们,那末,他不留一个人在大地上,但他让他们延迟到一个定期,当他们的定期来临的时候,他们不得延迟一霎时,(当其未来临的时候),他们不能提前一霎时。

اگر لوگوں کے گناہ پر الله تعالیٰ ان
کی گرفت کرتا تو روئے زمین پر ایک
لیکن وہ تو ،بھی جاندار باقی نہ رہتا
انہیں ایک وقت مقرر تک ڈھیل دیتا
جب ان کا وہ وقت آجاتا ہے تو ،ہے
وہ ایک ساعت نہ پیچھے رہ سکتے

Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah
Khadija, Marium Jamela,
4HeroXeroMassLames....Folio.....26



ہیں اور نہ آگے بڑھ سکتے ہیں

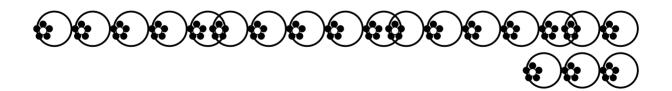
And if Allah were to seize mankind for their wrong-doing, He would not leave on it (the earth) a single moving (living) creature, but He postpones them for an appointed term and when their term comes, neither can they delay nor can they advance it an hour (or a moment).

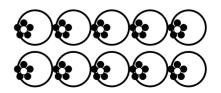
यदि अल्लाह लोगों को उनके अत्याचार पर पकड़ने ही लग जाता तो धरती पर किसी जीवधारी को न छोड़ता, किन्तु वह उन्हें एक निश्चित समय तक टाले जाता है। फिर जब उनका नियत समय आ जाता है तो



वे न तो एक घड़ी पीछे हट सकते है और न आगे बढ़ सकते है

আর আল্লাহ্ যদি মানুষকে পাকড়াও করতেন তাদের অন্যায়াচারণের জন্যে তবে তিনি এর উপরে কোনো জীবজন্তুকেই রাখতেন না, কিন্তু তিনি তাদের অবকাশ দিয়ে থাকেন একটি নির্দিষ্টকাল পর্যন্ত, সেজন্যে যখন তাদের মিয়াদ এসে যায় তখন তারা ঘন্টাখানেকের জন্যেও পিছিয়ে দিতে পারে না, আর এগিয়েও আনতে পারে না।







An-Nahl (16:62)

بس<u>االلهم</u> اللحمان

وَيَجْعَلُونَ لِلهِ مَا يَكْرَهُونَ وَتَصِفُ أَلسِنَتُهُمُ ٱلكذِبَ أَنَّ لَهُمُ ٱلْحُسْنَى ٰ لَا جَرَمَ أَنَّ لَهُمُ ٱلنَّارَ وَأَتَهُم مُقْرَطُونَ

他们以自己所厌恶的归真主,他们妄言自己将受最佳的报酬。无疑的,他们将受火狱的报酬。他们是被遗弃的。

اور وہ اپنے لیے جو ناپسند رکھتے ہیں اللہ کے لیے ثابت کرتے ہیں اور ان کی زبانیں جھوٹی باتیں بیان کرتی ہیں کہ دراصل ،ان کے لیے خوبی ہے۔ نہیں نہیں ان کے لیے آگ ہے اور یہ دوزخیوں کے پیش رو ہیں



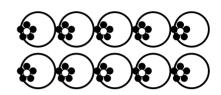
They assign to Allah that which they dislike (for themselves), and their tongues assert the falsehood that the better things will be theirs. No doubt for them is the Fire, and they will be the first to be hastened on into it, and left there neglected. (Tafsir Al-Qurtubi, Vol. 10, Page 121)

वे अल्लाह के लिए वह कुछ ठहराते है, जिसे ख़ुद अपने लिए नापसन्द करते है और उनकी ज़बाने झूठ कहती है कि उनके लिए अच्छा परिणाम है। निस्संदेह उनके लिए आग है और वे उसी में पड़े छोड़ दिए जाएँगे

আর তারা আল্লাহ্ 🕬 তে আরোপ করে যা তারা



অপছন্দ করে, আর তাদের জিহবা মিথ্যাকথা রচনা করে যে ভাল বিষয়বস্তু তাদের জন্যেই। সন্দেহ নেই যে তাদের জন্য রয়েছে আগুন, আর নিঃসন্দেহ তারা অচিরেই পরিত্যক্ত হবে।



An-Nahl (16:63)

تَٱلْلَهُ لَقَدْ أَرْسَلْنَآ إِلَى أَمَم مِن قَبْلِكَ فَرَبَّنَ لَهُمُ ٱلشَّيْطِنُ أَعْمَلُهُمْ فَهُوَ وَلِيُّهُمُ ٱلْيَوْمَ وَلَهُمْ عَدَابٌ أَلِيمٌ

指真主发誓,在你之前,我确已派遣许多使者去教化 各民族;但恶魔以他们的行为迷惑他们,所以今天他 是他们的保护者,他们将受痛苦的刑罚。

ہم نے تجھ سے پہلے کی امتوں! والله کی طرف بھی اپنے رسول بھیجے لیکن کی طرف بھی اپنے رسول بھیجے لیکن شیطان نے ان کے اعمال بد ان کی Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4HeroXeroMassLames.....Folio.....31



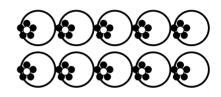
وہ شیطان ،نگاہوں میں آراستہ کر دیئے آج بھی ان کا رفیق بنا ہوا ہے اور ان کے لیے درد ناک عذاب ہے

By Allah, We indeed sent (Messengers) to the nations before you (O Muhammad SAW), but Shaitan (Satan) made their deeds fair-seeming to them. So he (Satan) is their Wali (helper) today (i.e. in this world), and theirs will be a painful torment.

अल्लाह की सौगंध! हम तुमसे पहले भी कितने समुदायों की ओर रसूल भेज चुके है, किन्तु शैतान ने उनकी करतूतों को उनके लिए सुहावना बना दिया। तो वही आज भी उनका संरक्षक है। उनके लिए तो एक दुखद यातना है



আল্লাহ্ রুর কসম! আমরা নিশ্চয়ই তোমার আগে জাতিগুলোর কাছে রসূল পাঠিয়েছিলাম, কিন্তু শয়তান তাদের ক্রিয়াকলাপ তাদের কাছে চিত্তাকর্ষক করেছিল; সেজন্যে সে আজ তাদের মুরব্বী, আর তাদের জন্য রয়েছে মর্মন্তুদ শাস্তি।



An-Nahl (16:64)

وَمَّآ أَنْرَلْنَا عَلَيْكَ ٱلْكِتَٰبَ إِلَّا لِتُبَيِّنَ لَهُمُ ٱلذِي أَخْتَلَقُوا فِيهِ وَهُدًى وَرَحْمَةً لِقَوْمٍ يُؤْمِنُونَ

我降示这部经典,只为使你对他们阐明他们所争论的 (是非),并且以这部经典作为信道的民众的向导和恩 惠。

اس کتاب کو ہم نے آپ پر اس لیے اتارا ہے کہ آپ ان کے لیے ہر اس چیز کو واضح کر دیں جس میں وہ اختلاف کر Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4HeroXeroMassLames.....Folio....33



رہے ہیں اور یہ ایمان والوں کے لیے رہنمائی اور رحمت ہے

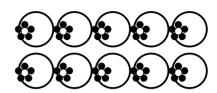
And We have not sent down the Book (this Quran) to you (O Muhammad SAW), except that you may explain clearly unto them those things in which they differ, and (as) a guidance and a mercy for a folk who believe.

हम ने यह किताब तुमपर इसीलिए अवतरित की है कि जिसमें वे विभेद कर रहे है उसे तुम उनपर स्पष्टा कर दो और यह मार्गदर्शन और दयालुता है उन लोगों के लिए जो ईमान लाएँ

আর তোমার া কাছে আমরা এই গ্রন্থ পাঠাই নি এইজন্য ছাড়া যে তুমি তাদের কাছে সুস্পষ্টভাবে বর্ণনা করবে যে-বিষয়ে তারা মতভেদ করে, আর



একটি পথনির্দেশ ও করুণা সেই লোকদের জন্য যারা বিশ্বাস করে।



An-Nahl (16:65)



وَٱللهُ أَنزَلَ مِنَ ٱلسَّمَاءِ مَآءً فَأَحْيَا بِهِ النَّارُضَ بَعْدَ مَوْتِهَا إِنَّ فِى ذَٰلِكَ لَءَايَةً لِلْأَرْضَ بَعْدَ مَوْتِهَا إِنَّ فِى ذَٰلِكَ لَءَايَةً لِلْقَوْمِ يَسْمَعُونَ

真主从云中降下雨水,并借雨水使已死的大地复活; 对善于听话的民众,此中确有一种迹象。

اور الله آسمان سے پانی برسا کر اس سے زمین کو اس کی موت کے بعد زندہ کر دیتا ہے۔ یقیناً اس میں ان لوگوں کے لیے نشانی ہے جو سنیں

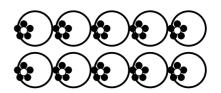


And Allah sends down water (rain) from the sky, then He revives the earth therewith after its death. Verily, in this is a sign (clear proof) for people who listen (obey Allah).

और अल्लाह है ही ने आकाश से पानी बरसाया। फिर उसके द्वारा धरती को उसके मृत हो जाने के पश्चात जीवित किया। निश्चय ही इसमें उन लोगों के लिए बड़ी निशानी है जो सुनते है

আর আল্লাহ্ আকাশ থেকে পানি বর্ষণ করেন, আর তা দিয়ে তিনি পৃথিবীকে জীবন্ত করেন তার মৃত্যুর পরে। নিঃসন্দেহ এতে যথার্থ নিদর্শন রয়েছে সেই লোকদের জন্য যারা শোনে।





An-Nahl (16:66)

بس<u>اراللهم</u> اللحيمان ماللحيمات

وَإِن لَكُمْ فِى ٱلْأَنْعُم لَعِبْرَةً تُسْقِيكُم مِّمَا فِي بُطُونِهِ مِن بَيْنِ فَرْثٍ وَدَم لَبَنًا فِي بُطُونِهِ مِن بَيْنِ فَرْثٍ وَدَم لَبَنًا خَالِصًا سَآئِعًا لِلشَّرْبِينَ

在牲畜中,对于你们,确有一种教训。我使你们得饮那从牲畜腹内的粪和血之间提出的又纯洁又可口的乳 汁。

تمہارے لیے تو چوپایوں میں بھی بڑی عبرت ہے کہ ہم تمہیں اس کے پیٹ میں جو کچھ ہے اسی میں سے گوبر اور لہو کے درمیان سے خالص دودھ پلاتے ہیں جو پینے والوں کے لیے سہتا پچتا ہے

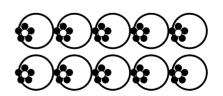
And verily! In the cattle,



there is a lesson for you. We give you to drink of that which is in their bellies, from between excretions and blood, pure milk; palatable to the drinkers.

और तुम्हारे लिए चौपायों में से एक बड़ी शिक्षा-सामग्री है, जो कुछ उनके पेटों में है उसमें से गोबर और रक्त से मध्य से हम तुम्हे विशुद्ध दूध पिलाते है, जो पीनेवालों के लिए अत्यन्त प्रिय है,

আর নিঃসন্দেহ গবাদি-পশুর মধ্যে তোমাদের জন্য তো শিক্ষণীয় বিষয় রয়েছে। আমরা তোমাদের পান করাই যা রয়েছে তাদের পেটের মধ্যে --গোবর ও রক্তের মধ্যে থেকে -- খাঁটি দুধ, পানকারীদের জন্য সুস্বাদু।





An-Nahl (16:70)

بس<u>االلهم</u> اللحمان مرادجية

وَٱللهُ خَلَقَكُمْ ثُمَّ يَتَوَقَّلُكُمْ وَمِنكُم مَّن يُرَدُ إِلَىٰ أَرْدَلِ ٱلعُمُر لِكِيْ لَا يَعْلَمَ بَعْدَ عِلَمٍ شَيْـُـًا إِنَّ ٱللهَ عَلِيمٌ قَدِيرٌ

真主创造你们,然后使你们死亡。你们中有人复返于 一生中最恶劣的阶段,以致他在有知识之后又变得一 无所知。真主确是全知的,确是全能的。

الله تعالیٰ نے ہی تم سب کو پیدا کیا ہے تم میں ،وہی پھر تمہیں فوت کرے گا ایسے بھی ہیں جو بدترین عمر کی طرف لوٹائے جاتے ہیں کہ بہت کچھ جاننے بوجھنے کے بعد بھی نہ جانیں۔ بیشک الله دانا اور توانا ہے

And Allah has created you



and then He will cause you to die, and of you there are some who are sent back to senility, so that they know nothing after having known (much).

Truly! Allah is
All-Knowing, All-Powerful.

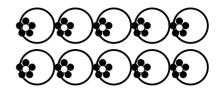
अल्लाह ने तुम्हें पैदा किया। फिर वह तुम्हारी आत्माओं को ग्रस्त कर लेता है और तुममें से कोई (बुढापे की) निकृष्ट तम अवस्था की ओर फिर जाता है, कि (परिणामस्वरूप) जानने के पश्चात फिर वह कुछ न जाने। निस्संदेह अल्लाह सर्वज्ञ, बड़ा सामर्थ्यवान है

আর আল্লাহ্ তামাদের সৃষ্টি করেছেন, তারপর তিনি তোমাদের মৃত্যু ঘটান। আর তোমাদের মধ্যের কাউকে কাউকে আনা হয় বয়েসের অধমতম দশায়, যার ফলে জ্ঞানলাভের পরে সে কিছুই জানে না। নিঃসন্দেহ আল্লাহ্ সর্বজ্ঞাতা,



কর্মক্ষম।





An-Nahl (16:71)

بس<u>اراللهم</u> رالجيمان مرالجيمان

وَٱللهُ فَضَلَ بَعْضَكُمْ عَلَىٰ بَعْضَ فِي الرَّرْقِ فَمَا ٱلذِينَ قُضِّلُوا بِرَآدِي رِزْقِهِمْ عَلَىٰ مَا مَلَكتْ أَيْمَنُهُمْ فَهُمْ فِيهِ سَوَآءً عَلَىٰ مَا مَلَكتْ أَيْمَنُهُمْ فَهُمْ فِيهِ سَوَآءً أَفْينِعْمَةِ ٱللهِ يَجْحَدُونَ أَلْهُ يَجْحَدُونَ

在给养上,真主使你们中一部分人超越另一部分人, 给养优厚者绝不愿把自己的给养让给自己的奴仆,从 而他们在给养上与自己平等,难道他们否认真主的恩 惠吗?

الله تعالیٰ ہی نے تم میں سے ایک کو دوسرے پر روزی میں زیادتی دے رکھی



پس جنہیں زیادتی دی گئی ہے وہ ،ہے اپنی روزی اپنے ماتحت غلاموں کو نہیں دیتے کہ وہ اور یہ اس میں برابر ہو تو کیا یہ لوگ الله کی نعمتوں ،جائیں کے منکر ہو رہے ہیں؟

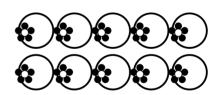
And Allah has preferred some of you above others in wealth and properties. Then, those who are preferred will by no means hand over their wealth and properties to those (slaves) whom their right hands possess, so that they may be equal with them in respect thereof. Do they then deny the Favour of Allah ?

और अल्लाहॐ ने तुममें से किसी को किसी पर रोज़ी Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija , Marium Jamela , 4HeroXeroMassLames.....Folio.....42



में बड़ाई दी है। किन्तु जिनको बड़ाई दी गई है वे ऐसे नहीं है कि अपनी रोज़ी उनकी ओर फेर दिया करते हों, जो उनके क़ब्ज़े में है कि वे सब इसमें बराबर हो जाएँ। फिर क्या अल्लाह के अनुग्रह का उन्हें इनकार है?

আর আল্লাহ্ তামাদের কাউকে অন্য কারও উপরে জীবনোপকরণের ব্যাপারে প্রাধান্য দিয়েছেন। তারপর যাদের প্রাধান্য দেয়া হয়েছে তারা তাদের জীবনোপকরণ দিয়ে দেয় না তাদের ডান হাত যাদের ধরে রেখেছে, যেন এরা এ বিষয়ে সমান হয়ে যায়। তবে কি আল্লাহ্ রূর অনুগ্রহকে তারা অস্বীকার করে?



Al-A'raaf (7:33)



قُلْ إِتَّمَا حَرَّمَ رَبِّيَ ٱلْفَوْحِشَ مَا ظَهَرَ



مِنْهَا وَمَا بَطنَ وَٱلْإِثْمَ وَٱلْبَعْىَ بِغَيْرِ ٱلْحَقِّ وَأَن تُشْرِكُواْ بِٱللهِ مَا لَمْ يُنَزِّلْ بِهِ ـ سُلُطنًا وَأَن تَقُولُواْ عَلَى ٱللهِ مَا لَا تَعْلَمُونَ

你说:我的主只禁止一切明显的和隐微的丑事,和罪恶,和无理的侵害,以及用真主所未证实的事物配真主,假借真主的名义而妄言自己所不知道的事情。

آپ فرمائیے کہ البتہ میرے رب نے صرف حرام کیا ہے ان تمام فحش باتوں کو جو علانیہ ہیں اور جو پوشیدہ ہیں اور ہر گناہ کی بات کو اور ناحق کسی پر ظلم کرنے کو اور



اس بات کو کہ تم الله کے ساتھ کسی ایسی چیز کو شریک ٹھہراؤ جس کی الله نے کوئی سند نازل نہیں کی اور اس بات کو کہ تم لوگ الله کے ذمے ایسی بات لگادو جس کو تم جانتے نہیں

Say (O Muhammad SAW): "(But)
the things that my Lord has
indeed forbidden are
Al-Fawahish (great evil sins,
every kind of unlawful
sexual intercourse, etc.)
whether committed openly or
secretly, sins (of all
kinds), unrighteous
oppression, joining
Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah



Khadija, Marium Jamela,

4HeroXeroMassLames.....Folio.....45

partners (in worship) with Allah for which He has given no authority, and saying things about Allah of which you have no knowledge."

कह दो, "मेरे रब ने केवल अश्लील कर्मों को हराम किया है - जो उनमें से प्रकट हो उन्हें भी और जो छिपे हो उन्हें भी - और हक़ मारना, नाहक़ ज़्यादती और इस बात को कि तुम अल्लाह का साझीदार ठहराओ, जिसके लिए उसने कोई प्रमाण नहीं उतारा और इस बात को भी कि तुम अल्लाह पर थोपकर ऐसी बात कहो जिसका तुम्हें ज्ञान न हो।"

বলো -- ''নিঃসন্দেহ আমার প্রভু নিষিদ্ধ করেছেন অশ্লীলতা -- তার যা প্রকাশ পায় ও যা গোপন থাকে, আর পাপাচার, আর ন্যায়বিরুদ্ধ বিদ্রোহাচরণ, আর আল্লাহ্ রুর সঙ্গে তোমরা যা শরিক করো যার জন্য কোনো দলিল তিনি Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4Hero Xero Mass Lames..... Folio.....46



অবতীর্ণ করেন নি, আর যেন তোমরা আল্লাহ্ ্রির বিরুদ্ধে বলো যা তোমরা জানো না।''

An-Nisaa (4:36)

بس<u>االلهم</u> الرحيم

وَ الْوَالِدَيْنِ إِحْسَاتًا وَبِذِي الْقُرْبَيٰ وَالْوَالِدَيْنِ إِحْسَاتًا وَبِذِي الْقُرْبَيٰ وَالْمَسَاكِينِ وَالْجَارِ ذِي الْقُرْبَيٰ وَالْبَتَامَىٰ وَالْمَسَاكِينِ وَالْجَارِ ذِي الْقُرْبَيٰ وَالْجَارِ الْجُنُبِ وَالْصَاحِبِ بِالْجَنْبِ وَابْنِ وَالْجَنْبِ وَابْنِ وَالْجَنْبِ وَابْنِ اللّهَ الْجَنْبِ وَابْنِ اللّهَ الْبَيْلِ وَمَا مَلَكَتْ أَيْمَانُكُمْ اللّهَ اللّهَ اللّهَ اللّهَ عَنْ كَانَ مُخْتَالًا فَخُورًا اللّهَ عَنْ كَانَ مُخْتَالًا فَخُورًا

你们当崇拜真主,不要以任何物配他,当孝敬父母,当优待亲戚,当怜恤孤儿,当救济贫民,当Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4HeroXeroMassLames....Folio.....47



亲爱近邻、远邻和伴侣,当款待旅客,当宽待奴 (小。真主的确不喜爱傲慢的、矜夸的人。

اس اور کرو عبادت کی تعالیٰ الله اور اور کرو نہ شریک کو کسی ساتھ کے کرو واحسان سلوک ساتھ کے باپ ماں سے یتیموں اور سے داروں رشتہ اور دار قرابت اور سے مسکینوں اور اور سے ہمسایہ اجنبی اور سے ہمسایہ مسافر کے راہ اور سے ساتھی کے پہلو تمہارے مالک کے جن سے ان اور سے تعالیٰ الله یقیناً (کنیز غلام) ہیں، ہاتھ خوروں شیخی اور والوں کرنے تکبر فرماتا نہیں یسند کو



Worship Allah and join none with Him in worship, and do good to parents, kinsfolk, orphans, Al-Masakin (the poor), the neighbour who is near of kin, the neighbour who is a stranger, the companion by your side, the wayfarer (you meet), and those (slaves) whom your right hands possess. Verily, Allah∰ does not like such as are proud and boastful;

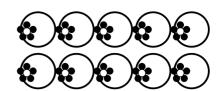
अल्लाह की बन्दगी करो और उसके साथ किसी को साझी न बनाओ और अच्छा व्यवहार करो माँ-बाप के साथ, नातेदारों, अनाथों और मुहताजों के साथ, नातेदार पड़ोसियों के साथ और अपरिचित पड़ोसियों के साथ और साथ रहनेवाले व्यक्ति के साथ और मुसाफ़िर के साथ Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4Hero Xero Mass Lames..... Folio..... 49



और उनके साथ भी जो तुम्हारे क़ब्ज़े में हों। अल्लाह ऐसे व्यक्ति को पसन्द नहीं करता, जो इतराता और डींगें मारता हो

আর আল্লাহ্ র এবাদত করো, আর তাঁর সাথে অন্য কিছু শরিক করো না, আর পিতামাতার প্রতি সদয় আচরণ করো, আর নিকটাত্মীয়দের প্রতি, আর এতীমদের আর মিসকিনদের, আর নিকট সম্পর্কের প্রতিবেশীর, আর পরকীয় প্রতিবেশীর, আর পার্শ্ববর্তী সাথীর, আর পথচারীর, আর যাকে তোমাদের ডান হাত ধরে রেখেছে। নিঃসন্দেহ আল্লাহ্ ভালোবাসেন না তাকে যে দাম্ভিক, গর্বিত, --





An-Nisaa (4:48)

بس<u>اراللهم</u> الركيمان مركيب

إِنَّ ٱللهَ لَا يَعْفِرُ أَن يُشْرَكَ بِهِۦ وَيَعْفِرُ مَا دُونَ دَٰلِكَ لِمَن يَشَآءُ وَمَن يُشْرِكْ بِٱللهِ فقدِ ٱفْتَرَى إِثْمًا عَظِيمًا

真主必不赦宥以物配主的罪恶,他为自己所意欲的人而赦宥比这差一等的罪过。谁以物配主,谁已犯大罪了。

یقیناً الله تعالیٰ اپنے ساتھ شریک کئے جانے کو نہیں بخشتا اور اس کے سوا جسے چاہے بخش دیتا ہے اور جو الله



تعالیٰ کے ساتھ شریک مقرر کرے اس نے بہت بڑا گناہ اور بہتان باندھا

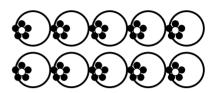
Verily, Allah forgives not that partners should be set up with him in worship, but He forgives except that (anything else) to whom He pleases, and whoever sets up partners with Allah in worship, he has indeed invented a tremendous sin.

अल्लाह इसके क्षमा नहीं करेगा कि उसका साझी ठहराया जाए। किन्तु उससे नीचे दर्जे के अपराध को जिसके लिए चाहेगा, क्षमा कर देगा और जिस किसी ने अल्लाह का साझी ठहराया, तो उसने एक बड़ा झूठ घड़ लिया

নিশ্চয়ই আল্লাহ্^{শুর্ক} ক্ষমা করবেন না যে, তাঁর Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4HeroXeroMassLames.....Folio.....52



সাথে কাউকে শরিক করা হোক, আর তা ছাড়া আর সব তিনি ক্ষমা করেন যার জন্য তিনি ইচ্ছা করেন। আর যে কেউ আল্লাহ্^{ঠ্রু}র সাথে শরিক করে সে তাহলে উদ্ভাবন করেছে বিরাট পাপ।



An-Nisaa (4:116)



إِنَّ ٱللهَ لَا يَعْفِرُ أَن يُشْرَكَ بِهِ وَيَعْفِرُ مَا دُونَ دَٰلِكَ لِمَن يَشَآءُ وَمَن يُشْرِكُ بِٱللهِ فقدْ ضَلِّ ضَلْلًا بَعِيدًا

真主必不赦宥以物配主的罪恶,他为自己所意欲的人赦宥比这差一等的罪过,谁以物配主,谁已 深陷迷误了。

اسے الله تعالیٰ قطعاً نہ بخشے گا کہ



،اس کے ساتھ شرک مقرر کیا جائے
ہاں شرک کے علاوہ گناہ جس کے
چاہے معاف فرما دیتا ہے اور الله کے
ساتھ شریک کرنے والا بہت دور کی
گمراہی میں جا پڑا

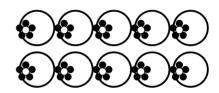
Verily! Allah forgives not

(the sin of) setting up
partners in worship with
Him , but He forgives whom
he pleases sins other than
that, and whoever sets up
partners in worship with
Allah , has indeed strayed
far away.

निस्संदेह अल्लाह ा इस चीज़ को क्षमा नहीं करेगा कि Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4Hero Xero Mass Lames..... Folio..... 54



उसके साथ किसी को शामिल किया जाए। हाँ, इससे नीचे दर्जे के अपराध को, जिसके लिए चाहेगा, क्षमा कर देगा। जो अल्लाह के साथ किसी को साझी ठहराता है, तो वह भटककर बहुत दूर जा पड़ा



Al-Maaida (5:72)



لقد كقرَ ٱلذينَ قالوَا إنّ ٱللهَ هُوَ ٱلمَسِيحُ ابْنَ مَرْيَمَ وَقَالَ ٱلمَسِيحُ يَبْنِي ٓ إِسْرَّءِيلَ الْعُبُدُوا ٱللهَ رَبِّي وَرَبَّكُمْ إِنَّهُ مَن يُشْرِكُ إِللهَ عَلَيْهِ ٱلجَنَّةَ وَمَأُونَهُ الله عَلَيْهِ ٱلجَنَّةَ وَمَأُونَهُ النَّارُ وَمَا لِلطَّلِمِينَ مِنْ أَنصَارٍ



妄言真主就是麦尔彦之子麦西哈的人,确已不信道了。麦西哈曾说:以色列的后裔啊!你们当崇拜真主--我的主,和你们的主。谁以物配主,真主必禁止谁入乐园,他的归宿是火狱。不义的人,绝没有任何援助者。

ہے شک وہ لوگ کافر ہوگئے جن کا قول ہے کہ مسیح ابن مریم ہی الله ہے حالانکہ خود مسیح نے ان سے کہا الله ہی کی !تھا کہ اے بنی اسرائیل عبادت کرو جو میرا اور تمہارا سب کا یقین مانو کہ جو شخص الله ،رب ہے کے ساتھ شریک کرتا ہے الله تعالیٰ نے اس کا ،اس پر جنت حرام کر دی ہے ٹھکانہ جہنم ہی ہے اور گنہگاروں کی مدد کرنے والا کوئی نہیں ہوگا



Surely, they have
disbelieved who say:
"Allah is the Messiah
['Iesa (Jesus)], son of
Maryam (Mary)." But the
Messiah ['Iesa (Jesus)] said:
"O Children of Israel!
Worship Allah, my Lord
and your Lord. "Verily,
whosoever sets up partners
in worship with Allah, then

Allah has forbidden

Paradise for him, and the

Fire will be his abode. And

for the Zalimun (polytheists

and wrong-doers) there are

no helpers.



निश्चय ही उन्होंने (सत्य का) इनकार किया, जिन्होंने कहा, "अल्लाह किया, "ऐ इसराईल की सन्तान! जब मसीह ने कहा था, "ऐ इसराईल की सन्तान! अल्लाह की बन्दगी करो, जो मेरा भी रब है और तुम्हारा भी रब है। जो कोई अल्लाह कीं का साझी ठहराएगा, उसपर तो अल्लाह ने जन्नत हराम कर दी है और उसका ठिकाना आग है। अत्याचारियों को कोई सहायक नहीं।"

নিশ্চয়ই তারা অবিশ্বাস পোষণ করে থাকে যারা বলে -- ''নিঃসন্দেহ আল্লাহ্ , তিনিই মসীহ্, মরিয়মের পুত্র।'' অথচ মসীহ্ বলেছেন -- ''হে ইসরাইলের বংশধরগণ! আল্লাহ্ র এবাদত করো যিনি আমার প্রভু ও তোমাদেরও প্রভু।'' নিঃসন্দেহ যে আল্লাহ্র সঙ্গে অংশীদার নিরূপণ করে, আল্লাহ্র্র সঙ্গে অংশীদার নিরূপণ করে, আল্লাহ্র্র সঙ্গে তার জন্য নিষিদ্ধ করেছেন স্বর্গোদ্যান, আর তার আবাসস্থল হচ্ছে আগুন। আর অন্যায়কারীদের জন্য থাকবে না কোনো সাহায্যকারী।







Al-An'aam (6:151)

بس<u>االله</u>م الرحيمان مركز حيم

قُلْ تَعَالُوٰا أَتَلُ مَا حَرَّمَ رَبُكُمْ عَلَيْكُمْ أَلَا تَشْرِكُوا بِهِ شَيْ الْ وَبِالُولِدَيْنِ إِحْسَنًا وَلَا تَقْتُلُوا أُولِدَيْنِ إِحْسَنًا وَلَا تَقْتُلُوا أُولِدَكُم مِّنْ إمْلُق تَحْنُ نَرْزُقُكُمْ وَإِيَّاهُمْ وَلَا تَقْرَبُوا الْقَوَّحِشَ مَا ظَهَرَ مِنْهَا وَمَا بَطْنَ وَلَا تَقْتُلُوا الْقَوْحِشَ مَا ظَهَرَ مِنْهَا وَمَا بَطْنَ وَلَا تَقْتُلُوا الْقَوْحِشَ مَا لَتِي حَرِّمَ وَمَا بَطْنَ وَلَا تَقْتُلُوا الْنَقْسَ الَّتِي حَرِّمَ اللهُ إِلَا بِالْحَقِّ دَلِكُمْ وَصَلَكُم بِهِ لَعَلَكُمْ تَعْقِلُونَ تَعْقِلُونَ تَعْقِلُونَ

你说:你们来吧,来听我宣读你们的主所禁戒你们的事项:你们不要以物配主,你们应当孝敬父母;你们不要因为贫穷而杀害自己的儿女,我供给你们和他们;你们不要临近明显的和隐微的丑



事;你们不要违背真主的禁令而杀人,除非因为 正义。他将这些事嘱咐你们,以便你们了解。 آب کہیے کہ آؤ میں تم کو وہ چیزیں یعنی جن کی) پڑھ کر سناؤں جن کو تمہارے رب نے تم پر (مخالفت وہ یہ کہ الله کے ،حرام فرما دیا ہے ساتھ کسی چیز کو شریک مت ٹھہراؤ اور ماں باپ کے ساتھ احسان کرو اور اپنی اولاد کو افلاس کے سبب قتل مت کرو۔ ہم تم کو اور ان کو رزق دیتے ہیں اور بے حیائی کے جتنے طریقے ہیں ان کے پاس بھی مت جاؤ اور ،خواه علانیہ ہوں خواہ پوشیدہ جس کا خون کرنا الله تعالیٰ نے حرام



ہاں ،کردیا ہے اس کو قتل مت کرو مگر حق کے ساتھ ان کا تم کو تاکیدی حکم دیا ہے تاکہ تم سمجھو

Say (O Muhammad SAW): "Come, I will recite what your Lord has prohibited you from: Join not anything in worship with Him; be good and dutiful to your parents; kill not your children because of poverty - We provide sustenance for you and for them; come not near to Al-Fawahish (shameful sins, illegal sexual intercourse, etc.) whether committed openly or secretly,



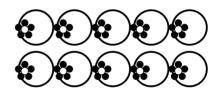
and kill not anyone whom Allah has forbidden, except for a just cause (according to Islamic law). This He has commanded you that you may understand.

कह दो, "आओ, मैं तुम्हें सुनाऊँ कि तुम्हारे रब मिं तुम्हारे ऊपर क्या पाबन्दियाँ लगाई है: यह कि किसी चीज़ को उसका साझीदार न ठहराओ और माँ-बाप के साथ सद्ध्य वहार करो और निर्धनता के कारण अपनी सन्तान की हत्या न करो; हम तुम्हें भी रोज़ी देते है और उन्हें भी। और अश्लील बातों के निकट न जाओ, चाहे वे खुली हुई हों या छिपी हुई हो। और किसी जीव की, जिसे अल्लाह में ने आदरणीय ठहराया है, हत्या न करो। यह और बात है कि हक़ के लिए ऐसा करना पड़े। ये बाते है, जिनकी ताकीद उसने तुम्हें की है, शायद कि तुम बुद्धि से काम लो।

বলো -- ''এসো আমি বাতলে দিই তোমাদের
Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah
Khadija , Marium Jamela ,
4HeroXeroMassLames.....Folio.....62



প্রভু তোমাদের জন্য কি নিষেধ করেছেন, -তোমরা তাঁর সঙ্গে অন্য কিছু শরিক করো না,
আর পিতা-মাতার প্রতি সদ্যবহার, আর তোমাদের
সন্তানদের তোমরা হত্যা করো না দারিদ্রের
কারণে,'' -- আমারাই জীবিকা দিই তোমাদের
ও তাদেরও, -- ''আর অশ্লিলতার ধারে-কাছেও
যেও না তার যা প্রকাশ পায় ও যা গোপন থাকে,
আর তেমন কোনো লোককে হত্যা করো না যাকে
আল্লাহ্ দিষেধ করেছেন, -- যথাযথ কারণ
ব্যতীত। এইসব দিয়ে তিনি তোমাদের আদেশ
জারি করেছেন, যেন তোমরা বুঝতে পারো।



Al-Kahf (18:110)



قَلْ إِتَمَا أَنَا بَشَرٌ مِتْلُكُمْ يُوحَى إِلَى أَتَمَا إِلْهُكُمْ إِلَٰهُ وَحِدٌ فَمَن كَانَ يَرْجُوا لِقَاءَ



رَبِّهِۦ فَلْيَعْمَلْ عَمَلًا صَلِحًا وَلَا يُشْرِكْ بِعِبَادَةِ رَبِّهِۦٓ أَحَدًّا

你说:我只是一个同你们一样的凡人,我奉的启示是:你们所应当崇拜的,只是一个主宰,故谁希望与他的主相会,就叫谁力行善功,叫谁不要以任何物与他的主受同样的崇拜。

آپ کہہ دیجئے کہ میں تو تم جیسا میری (ہاں) ہی ایک انسان ہوں۔ جانب وحی کی جاتی ہے کہ سب کا تو ،معبود صرف ایک ہی معبود ہے جسے بھی اپنے پروردگار سے ملنے کی آرزو ہو اسے چاہئے کہ نیک اعمال کرے اور اپنے پروردگار کی عبادت میں کو بھی شریک نہ کرے

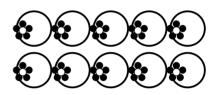


Say (O Muhammad SAW): "I am only a man like you. It has been inspired to me that your Ilah (God) is One Ilah (God i.e. Allah). So whoever hopes for the Meeting with his Lord, let him work righteousness and associate none as a partner in the worship of his Lord."

कह दो, "मैं तो केवल तुम्हीं जैसा मनुष्य हूँ। मेरी ओर प्रकाशना की जाती है कि तुम्हारा पूज्य-प्रभु बस अकेला الله है। अतः जो कोई अपने रब से मिलन की आशा रखता हो, उसे चाहिए कि अच्छा कर्म करे और अपने रब कि बन्दगी में किसी को साझी न बनाए।"



বলো -- ''আমি নিঃসন্দেহ তোমাদেরই মতন
একজন মানুষ, আমার কাছে প্রত্যাদিষ্ট
হয়েছে যে নিঃসন্দেহ তোমাদের উপাস্য একক
উপাস্য, সেজন্য যে কেউ তার প্রভুর া সঙ্গে
মুলাকাতের কামনা করে সে তবে সৎকর্ম
করুক এবং তার প্রভুর া উপাসনায় অন্য
কাউকেও শরীক না করুক।''



Al-Hajj (22:31)



حُنَفَآءَ لِلهِ غَيْرَ مُشْرِكِينَ بِهِۦ وَمَن يُشْرِكُ بِٱللهِ فُكَأْتُمَا خَرَّ مِنَ ٱلسَّمَآءِ فَتَخْطُفُهُ الطَيْرُ أَوْ تَهْوِي بِهِ ٱلرِّيحُ فِي مَكانِ

同时为真主而信奉正教,不以物配他。谁以物配 Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4HeroXeroMassLames....Folio.....66



真主,谁如从天空坠落,而被群鸟夺走,或被大 风扫荡到远方。

الله کی توحید کو مانتے ہوئے اس کے ساتھ کسی کو شریک نہ کرتے ہوئے۔ الله کے ساتھ شریک کرنے والا ! سنو اب یا تو اسے ،گویا آسمان سے گر پڑا پرندے اچک لے جائیں گے یا ہوا کسی دور دراز کی جگہ پھینک دے گی

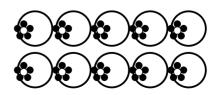
Hunafa'a Lillah (i.e. to worship none but Allah), not associating partners (in worship, etc.) unto Him and whoever assigns partners to Allah, it is as if he had fallen from the sky, and the



birds had snatched him, or the wind had thrown him to a far off place.

इस तरह कि अल्लाह हैं ही की ओर के होकर रहो। उसके साथ किसी को साझी न ठहराओ, क्योंकि जो कोई अल्लाह के के साथ साझी ठहराता है तो मानो वह आकाश से गिर पड़ा। फिर चाहे उसे पक्षी उचक ले जाएँ या वायु उसे किसी दूरवर्ती स्थान पर फेंक दे

আল্লাহ্ ক্রির প্রতি একনিষ্ঠ হয়ে, তাঁর সঙ্গে কোনো অংশী আরোপ না ক'রে। আর যে কেউ আল্লাহ্ র সঙ্গে অংশী দাঁড় করায় সে যেন তাহলে আকাশ থেকে পড়ল, তখন পাখিরা তাকে ছোঁ মেরে নিয়ে যায়, অথবা বায়ুপ্রবাহ তাকে উড়িয়ে নিয়ে যায় এক দূরবর্তী স্থানে।





An-Nahl (16:72)

بس<u>االلهم</u> الرحيم

وَأَلِلهُ جَعَلَ لَكُم مِنْ أَنْفُسِكُمْ أَرُوْجًا وَحَقَدَةً وَجَعَلَ لَكُم مِنْ أَرْوَجِكُم بَنِينَ وَحَقَدَةً وَرَزَقُكُم مِنَ ٱلطيّبَتِ أَفْبِٱلبَّطِلَ يُؤْمِنُونَ وَبَنِعْمَتِ ٱللهِ هُمْ يَكَفُرُونَ

真主以你们的同类做你们的妻子,并为你们从妻子创造儿孙。真主还以佳美的食物供给你们。难道他们信仰虚妄,而辜负主恩吗?

الله تعالیٰ نے تمہارے لیے تم میں سے
ہی تمہاری بیویاں پیدا کیں اور تمہاری
بیویوں سے تمہارے لیے تمہارے بیٹے
اور پوتے پیدا کیے اور تمہیں اچھی



اچھی چیزیں کھانے کو دیں۔ کیا پھر بھی لوگ باطل پر ایمان لائیں گے؟ اور الله تعالیٰ کی نعمتوں کی ناشکری کریں گے؟

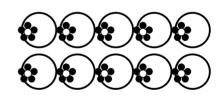
And Allah has made for you wives of your own kind, and has made for you, from your wives, sons and grandsons, and has bestowed on you good provision. Do they then believe in false deities and deny the Favour of Allah (by not worshipping Allah Alone).

और अल्लाह कि ही ने तुम्हारे लिए तुम्हारी सहजाति



पत्नियों बनाई और तुम्हारी पत्नियों से तुम्हारे लिए पुत्र और पौत्र पैदा किए और तुम्हे अच्छी पाक चीज़ों की रोज़ी प्रदान की; तो क्या वे मिथ्या को मानते है और अल्लाह

আর আল্লাহ ি তোমাদের জন্য তোমাদের নিজেদের থেকে জোড়া সৃষ্টি করেছেন, আর তোমাদের যুগল থেকে তোমাদের জন্য দিয়েছেন সন্তানসন্ততি ও নাতি-নাতনী, আর তোমাদের রিযেক দান করেছেন উত্তম জিনিস থেকে। তবে কি তারা মিথ্যাতে বিশ্বাস করে এবং আল্লাহ্ ির অনুগ্রহসামগ্রীতে তারাই অবিশ্বাস করে?



An-Nahl (16:73)



وَيَعْبُدُونَ مِن دُونِ ٱللهِ مَا لَا يَمْلِكُ لَهُمْ



رِزْقًا مِّنَ ٱلسَّمُوٰتِ وَٱلأَرْضِ شَيْءًا وَلَا يَسْتَطِيعُونَ

他们舍真主而崇拜(偶像),那是不能为他们主持从天上降下的和从地上生出的一点给养,而且毫无能力的。

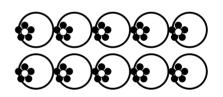
اور وہ اللہ تعالیٰ کے سوا ان کی عبادت کرتے ہیں جو آسمانوں اور زمین سے انہیں کچھ بھی تو روزی نہیں دے سکتے اور نہ کچھ قدرت رکھتے ہیں

And they worship others besides Allah, such as do not and cannot own any provision for them from the heavens or the earth.



और अल्लाह में से हटकर उन्हें पूजते है, जिन्हें आकाशों और धरती से रोज़ी प्रदान करने का कुछ भी अधिकार प्राप्त नहीं है और न उन्हें कोई सामर्थ्य ही प्राप्त है

আর তারা উপাসনা করে আল্লাহ্ কি ছেড়ে দিয়ে তাদের যারা একটুকুও ক্ষমতা রাখে না মহাকাশমন্ডলী ও পৃথিবী থেকে আসা রিযেকের উপরে, আর তারা কোনো ক্ষমতা রাখে না।



An-Nahl (16:74)



فَلَا تَضْرِبُوا لِلهِ ٱلْأَمْثَالَ إِنَّ ٱللهَ يَعْلَمُ وَأَنتُمْ لَا تَعْلَمُونَ



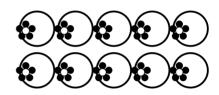
你们不要为真主打比喻。真主知道,而你们不知道。 道。 پس الله تعالیٰ کے لیے مثالیں مت بناؤ الله تعالیٰ خوب جانتا ہے اور تم نہیں جانتے

So put not forward similitudes for Allah (as there is nothing similar to Him, nor He resembles anything). Truly! Allah knows and you know not.

अतः अल्लाह के लिए मिसालें न घड़ो। जानता अल्लाह है, तुम नहीं जानते

অতএব আল্লাহ্ৠ র সঙ্গে কোনো সদৃশ স্থির করো





An-Nahl (16:75)



ضَرَبَ آللهُ مَثَلًا عَبْدًا مَمْلُوكًا لَا يَقْدِرُ عَلَىٰ شَىْءٍ وَمَن رَزَقْنُهُ مِنّا رِزْقًا حَسَنًا فَهُوَ يُنفِقُ مِنْهُ سِرًّا وَجَهْرًا هَلْ يَسْتَوُونَ ٱلْحَمْدُ لِلهِ بَلْ أَكْثَرُهُمْ لَا يَعْلَمُونَ



真主打一个比喻:一个奴隶,不能自由处理任何事务,一个自由人,我赏赐他忧厚的给养,而他秘密地和公开地加以施舍;他们俩人是一样的吗?一切赞颂,全归真主!但他们大半不知道。

الله تعالیٰ ایک مثال بیان فرماتا ہے کہ ،ایک غلام ہے دوسرے کی ملکیت کا جو کسی بات کا اختیار نہیں رکھتا اور ایک اور شخص ہے جسے ہم نے اپنے پاس سے معقول روزی دے رکھی جس میں سے وہ چھپے کھلے ،ہے خرچ کرتا ہے۔ کیا یہ سب برابر ہوسکتے ہیں؟ الله تعالیٰ ہی کے لیے بلکہ ان میں سے اکثر ،سب تعریف ہے نہیں جانتے



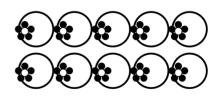
Allah puts forward the example (of two men a believer and a disbeliever); a slave (disbeliever) under the possession of another, he has no power of any sort, and (the other), a man (believer) on whom We∰ have bestowed a good provision from Us, and he spends thereof secretly and openly. Can they be equal? (By no means, not). All the praises and thanks be to Allah. We Nay! (But) most of them know not.

अल्लाह में एक मिसाल पेश की है: एक ग़ुलाम है, जिसपर दूसरे का अधिकार है, उसे किसी चीज़ पर Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4Hero Xero Mass Lames..... Folio..... 77



अधिकार प्राप्त नहीं। इसके विपरीत एक वह व्यक्ति है, जिसे हमने अपनी ओर से अच्छी रोज़ी प्रदान की है, फिर वह उसमें से खुले और छिपे ख़र्च करता है। तो क्या वे परस्पर समान है? प्रशंसा अल्लाह के लिए है! किन्तु उनमें अधिकतर लोग जानते नहीं

আল্লাহ্ উপি উপমা দিচ্ছেন অপরের অধিকারভুক্ত একজন দাসের –– কোনো-কিছুর উপরে সে ক্ষমতা রাখে না, আর এমন এক ব্যক্তির যাকে আমাদের তরফ থেকে উত্তম জীবিকা দিয়ে আমরা ভরণপোষণ করেছি, সুতরাং সে তা থেকে গোপনে ও প্রকাশ্যে খরচ করে। তারা কি সমান-সমান? সমস্ত প্রশংসা আল্লাহ্ বির কানে না।



An-Nahl (16:76)





وَضَرَبَ ٱللهُ مَثَلًا رَجُلَيْنِ أَحَدُهُمَآ أَبْكُمُ لَا يَقْدِرُ عَلَىٰ مَوْلَلهُ عَلَىٰ مَوْلُلهُ أَيْنَمَا يُوَجِّههُ لَا يَأْتِ بِخَيْرٍ هَلْ يَسْتَوى فَيْ وَهُوَ عَلَىٰ مِرْطِ هُوَ وَمَن يَأْمُرُ بِٱلْعَدْلِ وَهُوَ عَلَىٰ صِرَطٍ مُسْتَقِيمٍ

真主又打一个比喻:两个男人,一个是哑巴,什么事也不能做,却是他主人的累赘,无论主人打发他到那里去,都不能带一点福利回来;另一个走的是正路,他劝人主持公道。他们俩人是一样的吗?

الله تعالیٰ ایک اور مثال بیان فرماتا جن میں سے ، دو شخصوں کی،ہے ایک تو گونگا ہے اور کسی چیز پر اختیار نہیں رکھتا بلکہ وہ اپنے مالک



پر بوجھ ہے کہیں بھی اسے بھیجے
کیا یہ اور ،وہ کوئی بھلائی نہیں لاتا
وہ جو عدل کا حکم دیتا ہے اور ہے
برابر ہوسکتے ہیں،بھی سیدھی راہ پر

And Allah puts forward

(another) example of two men,
one of them dumb, who has no
power over anything

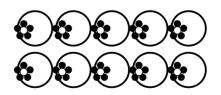
(disbeliever), and he is a
burden to his master,
whichever way he directs him,
he brings no good. Is such a
man equal to one (believer in
the Islamic Monotheism) who
commands justice, and is
himself on a Straight Path?



अल्लाह ने एक और मिसाल पेश की है: दो व्यक्ति है। उनमें से एक गूँगा है। किसी चीज़ पर उसे अधिकार प्राप्त नहीं। वह अपने स्वामी पर एक बोझ है - उसे वह जहाँ भेजता है, कुछ भला करके नहीं लाता। क्या वह और जो न्याय का आदेश देता है और स्वयं भी सीधे मार्ग पर है वह, समान हो सकते है?

আল্লাহ্ আরো উপমা দিচ্ছেন দুইজন লোকের

-- তাদের একজন বোবা, কোনো-কিছুতেই সে
ক্ষমতা রাখে না, সে তার মনিবের উপরে একটি বোঝা, তাকে যেখানেই পাঠানো হোক না কেন সে
ভাল কিছুই আনতে পারে না। সে এবং সেইব্যক্তি
যিনি ন্যায়বিচারের নির্দেশ দেন তারা কি
সমান-সমান, আর তিনি রয়েছেন সহজ-সঠিক
পথে?



An-Nahl (16:77)





وَلِلهِ غَيْبُ ٱلسَّمُوٰتِ وَٱلأَرْضِ وَمَآ أَمْرُ ٱلسَّاعَةِ إِلَّا كَلَمْحِ ٱلبَصَرِ أَوْ هُوَ أَقْرَبُ إِنَّ ٱللهَ عَلَىٰ كُلِّ شَىْءٍ قَدِيرٌ

天地的幽玄只是真主的。复活时刻的到来,只在转瞬间,或更为迅速。真主对于万事,确是全能的。 آسمانوں اور زمین کا غیب صرف الله تعالیٰ ہی کو معلوم ہے۔ اور قیامت کا اس سے بھی زیادہ قریب،جھپکنا بیشک الله تعالیٰ ہر چیز پر قادر ہے۔ بیشک الله تعالیٰ ہر چیز پر قادر ہے۔

And to Allah belongs the unseen of the heavens and the

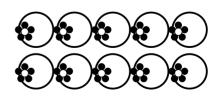


earth. And the matter of the Hour is not but as a twinkling of the eye, or even nearer.

Truly! Allah is Able to do all things.

आकाशों और धरती के रहस्यों का सम्बन्ध अल्लाह हैं ही से है। और उस क़ियामत की घड़ी का मामला तो बस ऐसा है जैसे आँखों का झपकना या वह इससे भी अधिक निकट है। निश्चय ही अल्लाह के सामर्थ्य प्राप्ती है

আর মহাকাশমন্ডলী ও পৃথিবীর অদৃশ্য বিষয় আল্লাহ্ রা আর সেই ঘড়িঘন্টার ব্যাপার তো চোখের পলক বা তার চাইতেও নিকটতর বৈ নয়। নিঃসন্দেহ আল্লাহ্ সর্বশক্তিমান।





An-Nahl (16:78)

بس<u>اراللهم</u> الرحيم

وَٱللهُ أَخْرَجَكُم مِّنَ بُطُونِ أُمَّهَٰتِكُمْ لَا تَعْلَمُونَ شَيْـُا وَجَعَلَ لَكُمُ ٱلسَّمْعَ وَٱلأَبْصَٰرَ وَٱلأَفْـٰذِدَةَ لَعَلَكُمْ تَشْكُرُونَ

真主使你们从母腹出生,你们什么也不知道,他为你 们创造耳目和心灵,以便你们感谢。

الله تعالیٰ نے تمہیں تمہاری ماؤں کے پیٹوں سے نکالا ہے کہ اس وقت تم اسی نے ،کچھ بھی نہیں جانتے تھے تمہارے کان اور آنکھیں اور دل بنائے کہ تم شکر گزاری کرو



And Allah has brought you out from the wombs of your mothers while you know nothing. And He gave you hearing, sight, and hearts that you might give thanks (to Allah).

अल्लाह ने तुम्हें तुम्हारी माँओ के पेट से इस दशा में निकाला कि तुम कुछ जानते न थे। उसने तुम्हें कान, आँखें और दिल दिए, ताकि तुम कृतज्ञता दिखलाओ

আর আল্লাহ্ তামাদের নির্গত করেছেন তোমাদের মায়েদের গর্ভ থেকে, তোমরা কিছুই জানতে না, আর তোমাদের জন্য তিনি দিয়েছেন শ্রবণশক্তি ও দৃষ্টিশক্তি ও অন্তঃকরণ, যেন তোমরা কৃতজ্ঞতা প্রকাশ করো।







An-Nahl (16:79)

بس<u>اراللهم</u> الرحيمان مممحيمات

أَلَمْ يَرَوْا إِلَى ٱلطَّيْرِ مُسَخَّرَتٍ فِى جَوِّــ السَّمَاءِ مَا يُمْسِكُهُنَّ إِلَّا اللَّهُ إِنَّ فِى ذَلِكَ لَءَايَّتٍ لِقَوْمٍ يُؤْمِنُونِ

难道他们没有看见在空中被制服的群鸟吗?只有真主维持他们;对于信道的民众,此中确有许多迹象。

کیا ان لوگوں نے پرندوں کو نہیں دیکھا جو تابع فرمان ہو کر فضا میں جنہیں بجز الله تعالیٰ کے کوئی ،ہیں بیشک اس میں ،اور تھامے ہوئے نہیں ایمان لانے والے لوگوں کے لیے بڑی



نشانیاں ہیں

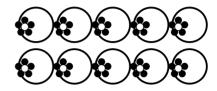
Do they not see the birds held (flying) in the midst of the sky? None holds them but Allah [none gave them the ability to fly but Allah []. Verily, in this are clear proofs and signs for people who believe (in the Oneness of Allah).

क्या उन्होंने पक्षियों को नभ मंडल में वशीभूत नहीं देखा? उन्हें तो बस अल्लाह हैं ही थामें हुए होता है। निश्चय ही इसमें उन लोगों के लिए कितनी ही निशानियाँ है जो ईमान लाएँ

তারা কি পাখিদের লক্ষ্য করে না -- আকাশের শূন্যগর্ভে ভাসমান? আল্লাহ্^{শুর্ক্} ছাড়া আর কেউ Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4HeroXeroMassLames.....Folio.....87



ওদের ধরে রাখে না। নিঃসন্দেহ এতে প্রকৃত নিদর্শন রয়েছে সেই লোকদের জন্য যারা বিশ্বাস করে।



An-Nahl (16:80)



وَٱللهُ جَعَلَ لَكُم مِّن بِيُوتِكُم ْ سَكَنًا وَجَعَلَ لَكُم مِّن جُلُودِ ٱلنَّعْمِ بِيُوتًا تَسْتَخِقُونَهَا يَوْمَ ظَعْنِكُمْ وَمِنْ يَوْمَ لِقَامَتِكُمْ وَمِنْ فَعْنِكُمْ وَمَن أَصْوَافِهَا وَأُوْبَارِهَا وَأَشْعَارِهَا أَتْثًا وَمَتَّعًا أَلْى حِينٍ

真主以你们的家为你们安居之所,以牲畜的皮革,为你们的房屋,你们在起程之日和住定之日,都感觉其



轻便。他以绵羊毛、骆驼毛和山羊毛供你们织造家俱 和暂时的享受。

اور الله تعالیٰ نے تمہارے لیے تمہارے گھروں میں سکونت کی جگہ بنا دی ہے اور اسی نے تمہارے لیے چوپایوں ،کی کھالوں کے گھر بنا دیے ہیں جنہیں تم ہلکا پھلکا پاتے ہو اپنے کوچ ،کے دن اور اپنے ٹھہرنے کے دن بھی اور ان کی اون اور روؤں اور بالوں سے بھی اس نے بہت سے سامان اور ایک وقت مقررہ تک کے لیے فائدہ کی چيزيں بنائيں

And Allah has made for you in your homes an abode, and

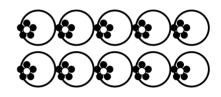


made for you out of the hides of the cattle (tents for) dwelling, which you find so light (and handy) when you travel and when you stay (in your travels), and of their wool, fur, and hair (sheep wool, camel fur, and goat hair), a furnishing and articles of convenience (e.g. carpets, blankets, etc.), a comfort for a while.

और अल्लाह ने तुम्हारे घरों को तुम्हारे लिए टिकने की जगह बनाया है और जानवरों की खालों से भी तुम्हारे लिए घर बनाए - जिन्हें तुम अपनी यात्रा के दिन और अपने ठहरने के दिन हल्का-फुलका पाते हो - और एक अवधि के लिए उनके ऊन, उनके लोमचर्म और उनके बालों से कितने ही सामान और बरतने की चीज़े बनाई



আর আল্লাহ্ তিনাদের বাড়িঘরে তোমাদের জন্য আবাসস্থল বানিয়েছেন, আর গবাদি-পশুর চামড়া থেকে তোমাদের জন্য ঘর বানিয়েছেন যা তোমাদের যাত্রার দিনে তোমরা হালকা বোধ কর, আর তোমাদের অবস্থানের দিনেও, আর তাদের পশম ও তাদের লোমশ চামড়া ও তাদের চুল থেকে রয়েছে গৃহস্থালী-বস্তু ও কিছুকালের জন্য উপভোগ-সামগ্রী।



An-Nahl (16:81)



وَٱللهُ جَعَلَ لَكُم مِّمَّا خَلْقَ ظِلْلًا وَجَعَلَ لَكُمْ سَرَّبِيلَ لِكُمْ مِّنَ ٱلجِبَالِ أَكْنَنًا وَجَعَلَ لَكُمْ سَرَبِيلَ تَقِيكُمْ بَأْسَكُمْ كَدَّلِكَ تَقِيكُمْ بَأْسَكُمْ كَدَّلِكَ يُتِمُ نِعْمَتَهُ عَلَيْكُمْ لَعَلَكُمْ تُسْلِمُونَ يُتِمُ نَعْمَتَهُ عَلَيْكُمْ لَعَلَكُمْ تُسْلِمُونَ



真主以他所创造的东西做你们的遮阴,以群山做你们的隐匿处,以衣服供你们防暑(和御寒),以盔甲供你们防御创伤。他如此完成他对你们的恩惠,以便你们顺服。

الله ہی نے تمہارے لیے اپنی پیدا کردہ چیزوں میں سے سائے بنائے ہیں اور اسی نے تمہارے لیے بہاڑوں میں غار بنائے ہیں اور اسی نے تمہارے لیے کرتے بنائے ہیں جو تمہیں گرمی سے بچائیں اور ایسے کرتے بھی جو تمہیں لڑائی کے وقت کام آئیں۔ وہ اسی طرح اپنی پوری پوری نعمتیں دے رہا ہے کہ تم حکم بردار بن جاؤ



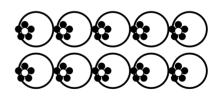
And Allah has made for you out of that which He has created shades, and has made for you places of refuge in the mountains, and has made for you garments to protect you from the heat (and cold), and coats of mail to protect you from your (mutual) violence. Thus does He perfect His Grace unto you, that you may submit yourselves to His∰ Will (in Islam).

और अल्लाह कि ने तुम्हारे लिए अपनी पैदा की हुई चीज़ों से छाँवों का प्रबन्ध किया और पहाड़ो में तुम्हारे लिए छिपने के स्थान बनाए और तुम्हें लिबास दिए जो



गर्मी से बचाते है और कुछ अन्य Armourवस्त्र भी दिए जो तुम्हारी लड़ाई में तुम्हारे लिए बचाव का काम करते है। इस प्रकार वह है तुमपर अपनी नेमत पूरी करता है, तािक तुम आज्ञाकारी बनो

আর তিনি যা সৃষ্টি করেছেন তা থেকে আল্লাহ্ তামাদের জন্য বানিয়েছেন ছায়া, আর পাহাড়ের মধ্যে তোমাদের জন্য তিনি বানিয়েছেন আশ্রয়স্থল, আর তোমাদের জন্য তিনি ব্যবস্থা করেছেন পোশাক যা তোমাদের রক্ষা করে গরম থেকে, আর বর্ম যা তোমাদের রক্ষা করে তোমাদের Armourযুদ্ধবিগ্রহে। এইভাবে তিনি তোমাদের প্রতি তার অনুগ্রহ পরিপূর্ণ করেছেন যেন তোমরা আত্মসমর্পণ করো।



An-Nahl (16:82)



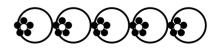


فَإِن تَوَلُوا فَإِنَّمَا عَلَيْكَ ٱلْبَلِغُ ٱلْمُبِينُ سَالِي اللَّهُ الْمُبِينُ سَالِي اللَّهُ الْمُبِينُ سَا 如果他们违背正道,那末,你只负明白传达的责任。 پھر بھی اگر یہ منھ موڑے رہیں تو آپ پر صرف کھول کر تبلیغ کر دینا ہی ہے

Then, if they turn away, your duty (O Muhammad SAW) is only to convey (the Message) in a clear way.

फिर यदि वे मुँह मोड़ते है तो तुम्हारा दायित्व तो केवल साफ़-साफ़ सन्देश पहुँचा देना है

কিন্তু যদি তারা ফিরে যায় তবে তোমার উপরে তো দায়িত্ব হচ্ছে স্পষ্টভাবে পৌঁছে দেওয়া।







An-Nahl (16:83)



يَعْرِقُونَ نِعْمَتَ ٱللهِ ثُمِّ يُنكِرُونَهَا وَأَكْثَرُهُمُ الكفِرُونَ الكفِرُونَ

他们认识真主的恩惠,但加以否认,他们大半是忘恩 负义的。

یہ الله کی نعمتیں جانتے پہچانتے ،ہوئے بھی ان کے منکر ہو رہے ہیں بلکہ ان میں سے اکثر ناشکرے ہیں

They recognise the Grace of Allah, by yet they deny it (by worshipping others besides



Allah () and most of them are disbelievers (deny the Prophethood of Muhammad SAW).

वे अल्लाह कि की नेमत को पहचानते है, फिर उसका इनकार करते है और उनमें अधिकतर तो अकृतज्ञ है

তারা আল্লাহ্ কর্পার অনুগ্রহ চিনতে পারে, তথাপি তারা সেইটি অস্বীকার করে, আর তাদের অধিকাংশই অবিশ্বাসী।



An-Nahl (16:84)



وَيَوْمَ نَبْعَثُ مِن كُلِّ أُمَّةٍ شَهِيدًا ثُمَّ لَا يُؤْدَنُ لِلْذِينَ كَفَرُوا ْ وَلَا هُمْ يُسْتَعْتَبُونَ

在那日,我要在每个民族中推举一个见证,然后,不 信道者不得为自己辩护,也不得向他们讨好。

اور جس دن ہم ہر امت میں سے گواہ کھڑا کریں گے پھر کافروں کو نہ اجازت دی جائے گی اور نہ ان سے توبہ کرنے کو کہا جائے گا

And (remember) the Day when

We shall raise up from each

nation a witness (their

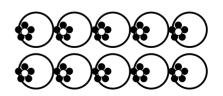
Messenger), then, those who



have disbelieved will not be given leave (to put forward excuses), nor will they be allowed (to return to the world) to repent and ask for Allah 's Forgiveness (of their sins, etc.).

याद करो जिस दिन हम हर समुदाय में से एक गवाह खड़ा करेंगे, फिर जिन्होंने इनकार किया होगा उन्हें कोई अनुमति प्राप्त न होगी। और न उन्हें इसका अवसर ही दिया जाएगा वे उसे राज़ी कर लें

আর সেদিন আমরা প্রত্যেক জাতির মধ্যে থেকে এক-এক জন সাক্ষী দাঁড় করাব, তখন যারা অবিশ্বাস করেছিল তাদের অনুমতি দেয়া হবে না, আর তাদের ক্ষমা-প্রার্থনা করতে দেওয়া হবে না।





An-Nahl (16:85)

بس<u>االله</u>م الرحيمان

وَإِذَا رَءَا الَّذِينَ ظَلَمُوا الْعَدَابَ فَلَا يُخَقَّفُ عَنْهُمْ وَلَا هُمْ يُنظرُونَ

当不义者看见刑罚的时候,他们不得减刑,也不 得缓刑。

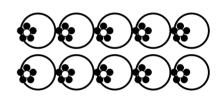
اور جب یہ ظالم عذاب دیکھ لیں گے پھر نہ تو ان سے ہلکا کیا جائے گا اور نہ وہ ڈھیل دیے جائیں گے

And when those who did wrong (the disbelievers) will see the torment, then it will not be lightened unto them, nor will they be given respite.



और जब वे लोग जिन्होंने अत्याचार किया, यातना देख लेंगे तो न वह उनके लिए हलकी की जाएगी और न उन्हें मुहलत ही मिलेगी

আর যারা অন্যায়াচরণ করেছে তারা যখন শাস্তি দেখতে পাবে তখন তাদের থেকে তা লাঘব করা হবে না, আর তারা অব্যাহতিও পাবে না।



An-Nahl (16:86)



وَإِذَا رَءَا ٱلذِينَ أَشْرَكُوا شُرَكَآءَهُمْ قَالُوا رَبِّنَا هَٰٓوُلَآءِ شُرَكَآوُنَا ٱلذِينَ كُنّا نَدْعُوا مِن دُونِكَ فَأَلْقُوا ۚ إِلَيْهُمُ ٱلْقُولَ إِنَّكُمْ لَكَذِبُونَ



And when those who associated partners with Allah see their (Allah's so-called, which people have assumed ad thrir Aaliha_Gods.) partners, they will say: "Our Lord!!

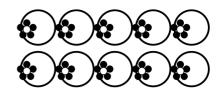


These are our partners whom we used to invoke besides you." But they will throw back their word at them (and say): "Surely! You indeed are liars!"

और जब वे लोग जिन्होंने शिर्क किया अपने ठहराए हुए साझीदारों को देखेंगे तो कहेंगे, "हमारे रब! यही हमारे वे साझीदार है जिन्हें हम तुझसे हटकर पुकारते थे।" इसपर वे उनकी ओर बात फेंक मारेंगे कि "तुम बिलकुल झूठे हो।"

আর যারা অংশী দাঁড় করিয়েছিল তারা যখন তাদের দেবতাদের দেখতে পাবে তখন তারা বলবে
-- ''আমাদের প্রভু! এরাই আমাদের ঠাকুরদেবতা যাদের আমরা পূজা করতাম তোমাকে ছেড়ে দিয়ে।'' তখন তারা তাদের দিকে কথাটা ছুঁড়ে মারবে -- ''নিঃসন্দেহ তোমরাই তো মিথ্যাবাদী।''







An-Nahl (16:87)

بس<u>االله</u>م اللحجمل مركب

وَأَلْقُواْ إِلَى ٱللهِ يَوْمَئِذِ ٱلسَّلْمَ وَضَلَّ عَنْهُم مَا كَاثُواْ يَقْتَرُونَ

在那日,他们将向真主表示屈服,而他们所捏造者将 回避他们。

الله کے (عاجز ہوکر) اس دن وہ سب
سامنے اطاعت کا اقرار پیش کریں گے
اور جو بہتان بازی کیا کرتے تھے وہ
سب ان سے گم ہو جائے گی

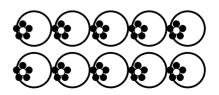
And they will offer (their



full) submission to Allah (Alone) on that Day, and their invented false deities [all that they used to invoke besides Allah , e.g. idols, saints, priests, monks, angels, jinns, Jibrael (Gabriel), Messengers, etc.] will vanish from them.

उस दिन वे अल्लाह के आगे आज्ञाकारी एवं वशीभूत होकर आ पड़ेगे। और जो कुछ वे घड़ा करते थे वह सब उनसे खोकर रह जाएगा

আর তারা সেইদিন আল্লাহ্^{ৠর্ক্}র কাছে আত্মসমর্পণে ঝোঁকে পড়বে, আর তারা যা উদ্ভাবন করত তা তাদের থেকে বিদায় নেবে।





Al-A'raaf (7:179)

بس<u>االله</u>م الرحيم

وَلَقَدْ دَرَأْتا لِجَهَنّمَ كَثِيرًا مِّنَ ٱلْجِنَّ وَلَهُمْ وَٱلْإِنسِ لَهُمْ قُلُوبٌ لَا يَقْقَهُونَ بِهَا وَلَهُمْ أَعْيُنُ لَا يُبْصِرُونَ بِهَا وَلَهُمْ ءَادَانُ لَا يَبْصِرُونَ بِهَا وَلَهُمْ ءَادَانُ لَا يَسْمَعُونَ بِهَا أُولَئِكَ كَٱلنَّعْم بَلْ هُمْ أَضَلُ يَسْمَعُونَ بِهَا أُولَئِكَ كَٱلنَّعْم بَلْ هُمْ أَضَلُ أُولِكَ كَٱلنَّعْم بَلْ هُمْ أَضَلُ أُولِكَ هُمُ أَلْعُفِلُونَ أَولَاكَ مَا لَعْفِلُونَ مَا أَلْعَلْمُ لَا لَعْفِلُونَ مَا لَوْلَالِكُ مَا لَعْفِلُونَ مَا لَعْفِلُونَ مَا لَعْفِلُونَ مَا لَعْفِلُونَ مَا لَعْفِلُونَ مَا لَعْفِلُونَ مَا لَهُ لَا لَعْفِلُونَ مَا لَعْفِلُونَ مَا لَعْفِلُونَ مَا لَا لَعْفِلُونَ مَا لَعْفِلُونَ مَا لَعْفِلُونَ مَا لَعْفِلُونَ مَا لَعْفِلُونَ مَا لَعْفُلُونَ مَا لَعْفِلُونَ مَا لَعْفِلُونَ مَا لَعْفِلُونَ مَا لَعْفِلُونَ مَا لَعْفِلُونَ مَا لَعْفُلُونَ مَا لَعْفِلُونَ مَا لَعْفِلُونَ مَا لَعْفِلُونَ مَا لَعْفِلُونَ مَا مَا لَعْفِلُونَ مَا مَا لَعْفِلُونَ مَا لَعْفِلُونَ مَا مَا لَعْفِلُونَ مَا مَا لَعْفِلُونَ مَا مَا عَلَاكُونُ مَا لَعْفِلُونُ مَا عَلَا لَعْمُ مَا لَعْمُ لَعُلِمُ لَعْفِلُونُ مَا عَلَا لَعْمُ لَعْفُلُونَ مَا عَلَاكُونُ مَا عَلَا لَعْمُ مَا لَعْفُلُونُ مَا عَلَاكُونَ مَا عَلَا لَعْمُ مُلِعِلَا لَعْمُ لَعَلَا لَعْمُ مَا لَعْمُ مُلِهُمْ لَعُلِهُ مَا عَا

我确已为火狱而创造了许多精灵和人类,他们有心却不用去思维,他们有眼却不用去观察,他们有耳却不用去听闻。这等人好像牲畜一样,甚至比牲畜还要迷误。这等人是疏忽的。

اور ہم نے ایسے بہت سے جن اور جن ،انسان دوزخ کے لیے پیدا کئے ہیں کے دل ایسے ہیں جن سے نہیں کے دل ایسے ہیں جن سے نہیں لیا کائے ہیں اور کے دل ایسے ہیں جن سے نہیں بیر جن سے نہیں 4HeroXeroMassLames....Folio.....106



سمجھتے اور جن کی آنکھیں ایسی ہیں جن سے نہیں دیکھتے اور جن کے کان ایسے ہیں جن سے نہیں سنتے۔ یہ لوگ چوپایوں کی طرح ہیں بلکہ یہ ان سے بھی زیادہ گمراہ ہیں۔ یہی لوگ غافل ہیں

And surely, We have created

many of the jinns and mankind

for Hell. They have hearts

wherewith they understand

not, they have eyes

wherewith they see not, and

they have ears wherewith

they hear not (the truth).

They are like cattle, nay

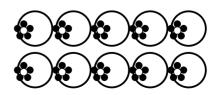
even more astray; those!



They are the heedless ones.

निश्चय ही हम ने बहुत-से जिन्नों और मनुष्यों को जहन्नम ही के लिए फैला रखा है। उनके पास दिल है जिनसे वे समझते नहीं, उनके पास आँखें है जिनसे वे देखते नहीं; उनके पास कान है जिनसे वे सुनते नहीं। वे पशुओं की तरह है, बिल्क वे उनसे भी अधिक पथभ्रष्ट है। वही लोग है जो ग़फ़लत में पड़े हुए है

আর আমরা জাহান্নামের জন্য নিশ্চয়ই ছড়িয়ে দিয়েছি জিন ও মানুষের মধ্যের অনেককে, -- তাদের হৃদয় আছে তা দিয়ে তারা বুঝে না, আর তাদের চোখ আছে তা দিয়ে তারা দেখে না, আর তাদের কান আছে তা দিয়ে তারা শোনে না। তারা গবাদি-পশুর ন্যায়, বরং তারা আরো পথভ্রষ্ট। তারা নিজেরাই হচ্ছে উদাসীন।





Hud (11:119)

بس<u>ارالله</u>م الرحمن مراجعيم

وَتَمَّتْ خَلَقَهُمْ وَلِدَّلِكَ رَبُكَ رَحِمَ مَن إِلَا

أَلْجِنَةِ مِنَ جَهَنَّمَ لَأُمْلُأَنَّ رَبِّكَ كَلِّمَةً

أَجْمَعِينَ وَٱلنَّاسِ

但你的主所怜悯的人除外。他为这件事而创造他们。 你的主的判辞已确定了:我誓必以人类和精灵一起充 满火狱。

رحم رب کا آپ پر جن کے ان بجز
ہے، کیا پیدا لئے اسی تو انہیں فرمائے،
ہے پوری بات یہ کی رب کے آپ اور
انسانوں اور جنوں کو جہنم میں کہ
گا کروں پر سے سب



Except him on whom your Lord

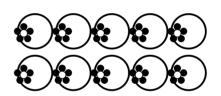
has bestowed His Mercy

(the follower of truth Islamic Monotheism) and for
that did He create them. And
the Word of your Lord has
been fulfilled (i.e. His
Saying): "Surely, I shall
fill Hell with jinns and men
all together."

सिवाय उनके जिनपर तुम्हारा रब औंदिया करे और इसी के लिए उस ने उन्हें मैद्धा ंके किया है, और तुम्हारे रब कि कि यह बात पूरी होकर रही कि "मैं जहन्नम को अपराधी जिन्नों और मनुष्यों सबसे भरकर रहूँगा।"

সে ব্যতীত যাকে তোমার প্রভু করুণা করেছেন, আর এর জন্যেই তিনি তাদের সৃষ্টি করেছেন। আর





Al-A'raaf (7:180)



وَلِلهِ ٱلنَّسْمَآءُ ٱلحُسْنَى ۖ فَآدْعُوهُ بِهَا وَذَرُوا ۗ ٱلذِينَ يُلْحِدُونَ فِى آسْمَّئِهِۦ سَيُجْزُوْنَ مَا كاثوا يَعْمَلُونَ



真主有许多极美的名号,故你们要用那些名号呼吁他。 妄用真主的名号者,你们可以置之不理,他们将受自 己行为的报酬。

اور اچھے اچھے نام اللہ ہی کے لیے ہیں سو ان ناموں سے اللہ ہی کو موسوم کیا کرو اور ایسے لوگوں سے تعلق بھی نہ رکھو جو اس کے ناموں ان لوگوں کو ،میں کج روی کرتے ہیں ان کے کئے کی ضرور سزا ملے گی '

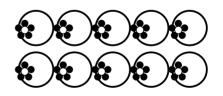
And (all) the Most Beautiful
Names belong to Allah, so
call on Him by them, and leave
the company of those who
belie or deny (or utter
impious speech against)
Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah
Khadija, Marium Jamela,



His Names. They will be requited for what they used to do.

अच्छे नाम अल्लाह है ही के है। तो तुम उन्हीं के द्वारा उसे पुकारो और उन लोगों को छोड़ो जो उसके नामों के सम्बन्ध में कुटिलता ग्रहण करते है। जो कुछ वे करते है, उसका बदला वे पाकर रहेंगे

আর আল্লাহ্ রুরই হচ্ছে সবচাইতে ভালো নামাবলী,
কাজেই তাঁকে ডাকো সেই সবের দ্বারা, আর
তাদের ছেড়ে দাও যারা তাঁর নামাবলী নিয়ে
বিকৃতি করে। অচিরেই তাদের প্রতিফল দেয়া হবে
তারা যা করে যাচ্ছে তার জন্য।



Hud (11:119)





وَتَمَتُ خَلَقَهُمْ وَلِدَّلِكَ رَبُكَ رَحِمَ مَن إِلَا الْحِنَةِ مِنَ جَهَنّمَ لَأَمْلَأَنَ رَبِّكَ كَلِمَةُ الْجُمَعِينَ وَٱلنّاسِ

رحم رب کا آپ پر جن کے ان بجز
ہے، کیا پیدا لئے اسی تو انہیں فرمائے،
ہے پوری بات یہ کی رب کے آپ اور
انسانوں اور جنوں کو جہنم میں کہ
گا کروں پر سے سب

Except him on whom your Lord has bestowed His Mercy (the follower of truth - Islamic Monotheism) and for that did He create them.



And the Word of your Lord

has been fulfilled (i.e.

His Saying): "Surely, I

shall fill Hell with jinns

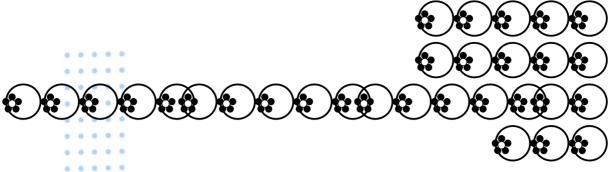
and men all together."

सिवाय उनके जिनपर तुम्हारा रब कि दया करे और इसी के लिए उस कि ने उन्हें मैद्धा के किया है, और तुम्हारे रब की यह बात पूरी होकर रही कि "मैं जहन्नम को अपराधी जिन्नों और मनुष्यों सबसे भरकर रहूँगा।"

সে ব্যতীত যাকে তোমার প্রভু করুণা করেছেন, আর এর জন্যেই তিনি তাদের সৃষ্টি করেছেন। আর সম্পূর্ণ হয়েছে তোমার প্রভুর বাণী --''আমি আলবৎ একই সঙ্গে জিনদের ও মানুষদের দ্বারা জাহান্নাম ভর্তি করব।''







Some Instances of Attrocities by Nasaara, Yehud, Infid el Combo...A Report:-

(Quote) What happened in Srebrenica, Yugislovakia, No w Bosnic Herzegovinic, The Srebrenica killings came at the tail end of the Balkan wars of the 1990s.

Bosnian Serb forces overran the Dutch UN protection zone at



Srebrenica and massacred 8,000 Muslim men and boys. Their bodies were dumped in mass graves. The peacekeepers, the Dutch government, and the United Nations have faced stinging criticism for their failure to prevent the killings. The slaughter, judged an act of genocide by the International Criminal Tribunal for the Former Yugoslavia, was the worst single atrocity of the war, in which about 100,000 people died-killed-by the Nasara Serbs.-(Source-Internet,) ****

Many-Muslims+indians+indonesian s-Malaysians+Burmese-Koreans-+ Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4HeroXeroMassLames....Folio.....117



Vietnamese+Japanese()+Africans+ రAfricans Blacks were killed during occupation of vthise Countries, -The treasures of theses countries + Those of rich Individuals-were pillaged and looted and taken to their Home Lands,....Atomic new bombs were test exploded in Nagasaki and Hiroshima in Japan killing Lakhs of innocent civilians-what an enormous BARBARITY..OF THE MOST CIVILIZED CONDUCT OF HOMO SAPIENS ON THE ERETEZ-

A Report:-

<u>Seychelles Islands : Failed</u>
<u>Coup Attempt by the British and</u>

<u>their Mercenaries-who were</u> <u>never punished in Britan-u.k-</u>



DURBAN, South Africa -- British Mercenary hijackers seized an Air India Boeing 707 jetliner with 79 passengers and crew aboard after it left the Seychelles Islands early Thursday and forced it to fly to South Africa.

Contrast:-

....But Libya was forced to pay
Billions for something not
connected to Libya ..for a Nasara
plane which probably crashed

The British gained Millions of donations from Libyan Qaddafy -but bombed and killed him afterwards...

...An Iranian intra•••country civilian aeroplane was shot down



by aMaricans in Iranian Airspace killing more than 350 Civilian passengers ...No Action.And No Reaction so Far .. jiskii Laathee Uskee hee Bhaisa....Might is always The Right + Courtesy Puppet Canine UNO.

Ethnic Cleansings by The Nasara Mercenary State Sponsored Terrorism

Marauding Murderous Ethnic
Cleansings by The Nasara
Mercenary State Sponsored
Terrorism - since 1914-continue
unabated even today-2024-1445H.
Since 1915....about 5000
Mosques have been raz3d yi the
ground in Filidtine By the
Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah
Khadija, Marium Jamela,
4Hero Xero Mass Lames..... Folio..... 120



Yehudi, Nasaaraa ,L.O.N~,U.N.O.Combination.... NUMEROUS GENOCIDES HAVE BEEN COMMITTED IN FILISTINE..Genocidal ethnic cleansing -of 97% if Muslims by the 3% Yehudis supported by Nasaaraa Un Combo... thousands of Muslims Villag3s , Towns, Cities Were transformd into Zionist Places.. Armageddon is a Goebbelistic Propaganda unleashed to brainwash the Foolish, public. ONLY M.K.GANDHI OF THE INDIANBNATIONAL CONGRESS HAS OPPOSED THE CRIMINAL INHUMAN ATTRICITIES OF THE PERTRATORS...NO SANE PERSONSUPPORTED THE FILISTINIAN MUSLIMS...

This is the achivement of the Vultural



-Voluptious, -civilization at its Zenith... These Hat ,Boot, Suit ,Clad, Bat in Hand,Dig in tow, uncivilized Brutes_Doctors ,Scientists,etc dont know what the Real Peronal Hygiene is? And Mental Sanity is a far away phenemenon..??
Even After 137 years since

Even After 137 years since
1915, Thousands of Years old
Scriptural Filistine nation
des not appear on the World
Map...- It may Never Appear
____, The Yahudi Nasaara
____, Un, combo is Working
overtime to decimate the
Filistinians Totally and FOR

EVER...

IF THE Marauding Murderous Ethnic Cleansers ,WISH new countries like East Timor -South Sudan will be Torn



Apart by Force , from say Indonesia, or Sudan, etc....+ But the Scriptural Filistine-Palestine is being systematcally Snuffed Out by Marauding Murderous Ethnic Cleanser Combination. And the Entire World is Watching On 5he Sidelines as an Enjoyment... The Actual Real Terrorists Are The NASAARA , YEHUDY, AND UN, COMBO, Who Control all the Puppet World Organisations ..Junglee Janwaron Ka <u>Hathodi Raj Chal Rahaa</u> Hai..:--Marauding Murderous Ethnic Cleansings by The Nasara Mercenary State Sponsored Terrorism -since 1914-continues unabated even today(-2024-1445H.)---Puppets-UNO/SC-are supporting Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela,



the Perpetrators-The Victims are like The Sheep attacked by A pack of Wild Animals.. The Victims Woes+ Violent Sufferings continue even today ,with out any Amelioration -watched by the entire indifferent Apathetic Comity of Notional Nations----24/7+365/365+12/12++

++

Second Preplanned-well
Executed incursion+
Invasion-of A Muslim Nation
called Filistine fully
Financed and militarily
Supported by ALL the Nasaaraa
Countries of the Whole
World,..but not opposed by
any civilized



lundyland,,,result::---entir e Filistine + Bytul Maqdisi occupied. :: Alcoholic Pseudo-Christian Churchill , the Arcitecht of Ballsfour Declaration -was the chief Pork eating immoral Villain who colluded with the Zionists, planned and executed the Zionisation of Historic Palestine with lakhs of muslims killed and millions maimed/ kicked out as expelled refugees, --,---Christian Churchill brutishly + rudely + sarcastically branded our Mahatma Gandhi as a HALF NAKED FAKIR + HE DESCRIBED INDIANS AS BARBARIOUS UNCIVILIZED INFIDELS-Who are going to kill Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4HeroXeroMassLames.....Folio.....125



each other....hence they should be ruled by us only....Marauding Murderous Ethnic Cleansings by The Nasara Mercenary State Sponsored Terrorism -since 1914-continues unabated even today(-2024-1445H.)---Puppets-UNO/S.C.-are supporting the Perpetrators-The Victims are like The Sheep attacked by A pack of Wild Animals.. The Victims Woes+ Violent Sufferings continue even today ,with out any Amelioration -watched by the entire Comity if Notional Nations---24/7+365/365+12/1 2++++ ****



1967ණ Marauding Murderous Ethnic Cleansing 1973 war -the Nasaras Actively waged a war agaist AREgypt, Syria, to Prop up the losing Yehudis with Massive Might in Sinai and Suez_Egypt...., Marauding Murderous Ethnic Cleansing Golda Mayya, and Disrael were openly , militarily propped by the Nasara War Loving Mareka....But For Nasara War Loving Mareka, Disloyal disrael would have been wiped out...

Russia and China -jointly blinked ... now they are Facing Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4Hero Xero Mass Lames..... Folio..... 127



the Fruits of Friendship With
Nasaras.Now in
2022....Assetsworth more
than.3oo+++Trillions of Russia
have been Confiscated by The
Nasara Combo in Support of
Yehudy Zelen(Joker)esky .That
wad Ramadaan 1973 ..in which
many Muslims of Filistine, Misr
were Martyred...

 \diamond \diamond \diamond \diamond \diamond \diamond



right-Mandate Sponsored **Terrorism** --Stage-1--1912-to-1930-The Bartanwy Supported , Armed Goons from Europe started killing Muslims toterririze ane force them out of their houses, lands, Villages, Towns, Cities right from 1915....with---5-Star result... **⋄ ⋄ ⋄ ⋄** 2-[Usurped] might is right--Mandate Sponsored Terrorism ---Stage-2--1929--to-1945--Made in Englund... The Bartanwy Supported ,Armed YehudisGoons from Europe , whom the Mandated Nasara invited to settle in Filistine and armed with Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela,



Goverment Armoury --were actually Sabotuers and British agents , They perpetrated -5-Star Genocides...succesfully, with Bartanwy Support...Simultaeneousy Bartanawy Armed forces and Indian soldiers deployed from British Inda, killed many muslims merjlelly ti Hastenthe pricess of Zionisation of Palestine... \bullet \bullet \bullet \bullet 3-A-[Usurped] might is right-Mandate- Terrorism-upto mid1949 +B-illegal State Sponsored Terrorism +approved by connivance by other forces-. ----Stage-3--- 1946--to-1966-Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah



Khadija, Marium Jamela,

10lakh-one Million well trained + well equipped ,well but evil intent motivated Army+ Mercenaries from Europe and Americas- +evil intent Reservists+evil intent Female soldiers-attacked each and every place .They roudedup 20-/30-/100 male muslims and executed them publicly to create Terror and mass emigrations.. murdering a lakh of innocent Children, Women, Men, forcing the entire muslim population of 18/20 lakhs-These penniless Refugee came to Gaza Strip-West Bank , Jordan ,Lebanon,Syria,Iraq-Sinai-Today Gaza-Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah



Khadija, Marium Jamela,

are harbouring 45/50 muslim refugees. Those who migrated to Jordan ,Lebanon,Syria,Iraq-Sinai-ar e a little better, But in Gaza-గాజా(అరబీలో-గద్ద-)-West Bank ,war against muslims is a cinstant 24/7/365/12-life and death issue...when the israeli Tanks, Bomber Planes, Missiles land on them only God knows...-Disloyal israerly Tanks, Military, Airforce, Navy fire are looking for instant targets ...

 \diamond \diamond \diamond \diamond

Palestinian Authority-is a Paper Tiger buttered by Nasaaraas.

This Trunkated-Broken-Badly



Battered nonForce is subservient to the israeli Military which invades freequently the Muslims lands with Full might -including despatching people to their Quboor-graves-10/20 youngmen are killed everyday Muslims homes are demolished regularly Thus A Civilized modern perennial procedure...to Eliminate the Muslims...supportd by Nasaaraa and approved by the Vomity Comity of Notions except S.Africa... Palestinian Authority-is a Nasara Propped up Scare Crow ,and an Enemy Within ,A Trojan Horse, t0 muslims , Ever



```
readily Compromising and
 Supporting the Yehudis....in
their Evil Deeds, Demolition of
                muslim homes ,
     open murders of innocent
  children + youngsters is an
      ever on programme.....
international community lacks
humanity-sanity and sympathy +
empathy.and..a conscience that
                        pricks-
                        *****
Plan.4-----Target Areas Will
be treated with Atomic Bombs
to Get Rid of the muslims on a
         Wholesale Large Scale
           ....Eretz Israel +
                   God-disloyal
disrelis ...Weizmann plan at
            it's Zenith....-
      4A----Final Armageddon:
    Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah
                  Khadija, Marium Jamela,
           4HeroXeroMassLames.....Folio.....134
```



Preplanned-to be Executed Expansionist incursion+ Invasion- fully supported by ALL the Nasaaraa Countries of the Whole World, of more Muslim Nations ...but .but not going to be opposed by any civilized lundyland, Marauding Murderous Ethnic Cleansing Yehudi_Nasaraa-Expansionist ideology-they have plans for ERETEZ ISRAEL- WHICH WILL INCLUDE EGYPT, ALL OF ARAB LANDS-KSA, SYRIA-JORDAN-LEBANON+++ Will be Next Targets *****



> بس<u>اراللهم</u> الرحيمن مركزيم

لَا تَحْسَبَنَ ٱلذِينَ كَفَرُواْ مُعْجِزِينَ فِى ٱلأَرْضِ وَمَأُوَىٰهُمُ ٱلنّارُ وَلَبِئْسَ ٱلْمَصِيرُ

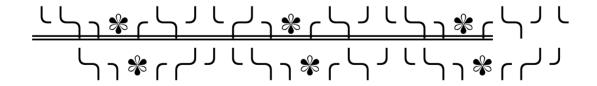
不信道者,你绝不要以为他们在大地上是能逃避天谴的,他们的归宿是火狱,那归宿真恶劣! یہ خیال آپ کبھی بھی نہ کرنا کہ منکر یہ خیال آپ کبھی بھاگ کر) لوگ زمین میں ادھر ادھر بھاگ کر) لوگ زمین میں ان کا اصلی ٹھکانا تو ،ہرا دینے والے ہیں جہنم ہے جو یقینا بہت ہی برا ٹھکانا ہے Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4HeroXeroMassLames.....Folio.....136

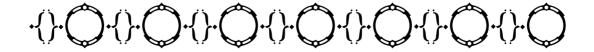


Consider not that the disbelievers can escape in the land. Their abode shall be the Fire, and worst indeed is that destination.

यह कदापि न समझो कि इनकार की नीति अपनानेवाले धरती में क़ाबू से बाहर निकल जानेवाले है। उनका ठिकाना आग है, और वह बहुत ही बुरा ठिकाना है

তুমি মনে করো না যে যারা অবিশ্বাস পোষণ করে তারা পৃথিবীতে এড়িয়ে যেতে পারবে, বরঞ্চ তাদের আবাসস্থল হচ্ছে আগুন। আর আলবৎ মন্দ সেই গন্তব্যস্থান।







Shall certainly Accomplish what HE Wishes...

At-Tawba (9:33)

بس<u>اراللهم</u> الرحيمان مرادجيمان

هُوَ ٱلذِىٓ أَرْسَلَ رَسُولُهُۥ بِٱلهُدَىٰ وَدِينِ ٱلحَقِّ لِيُظْهِرَهُۥ عَلَى ٱلدِّينِ كُلِهِۦ وَلَوْ كَرِهَ ٱلمُشْرِكُونَ

他曾以正道和真教的使命委托他的使者,以便他使真教胜过一切宗教,即使以物配主者不愿意。 السى نے اپنے رسول کو ہدایت اور سچے دین کے ساتھ بھیجا ہے کہ اسے اور تمام مذہبوں Let AlQuran Speak,WakeUpCall Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4HeroXeroMassLames....Folio.....138



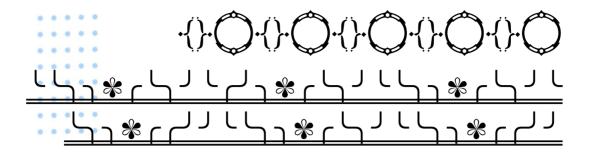
پر غالب کر دے اگر چہ مشرک برا مانیں

It is He∰ Who has sent His
Messenger (Muhammad SAW) with
guidance and the religion of truth
(Islam), to make it superior over
all religions even though the
Mushrikun (polytheists, pagans,
idolaters, disbelievers in the
Oneness of Allah∰) hate (it).

वही है जिसने अपने रसूल को मार्गदर्शन और सत्यधर्म के साथ भेजा ताकि उसे तमाम दीन (धर्म) पर प्रभावी कर दे, चाहे मुशरिकों को बुरा लगे

তিনিই الله সেইজন যিনি তাঁর রসূলকে পাঠিয়েছেন পথনির্দেশ ও সত্য-ধর্মের সাথে যেন তিনি তাকে প্রাধান্য দিতে পারেন ধর্মের -- তাদের সবক'টি উপরে, যদিও মুশরিকরা অনিচ্ছুক।





At-Tawba (9:32)

بس<u>اراللهم</u> الرحيمل مرمحيمه

يُريدُونَ أَن يُطفِّوا ثورَ ٱللهِ بِأَقْوَٰهِمْ وَيَأْبَى ٱللهُ إِلاَ أَن يُتِمّ ثُورَهُۥ وَلَوْ كَرِهَ آلكفِرُونَ

他们妄想用自己的口吹灭真主的光明,但真主只愿发扬自己的光明,即使不信道者不愿意。 وہ چاہتے ہیں کہ الله کے نور کو اپنے منھ سے بجھا دیں اور الله تعالیٰ انکاری ہے مگر اسی بات کا کہ اپنا نور پورا کرے گو کافر نا خوش رہیں

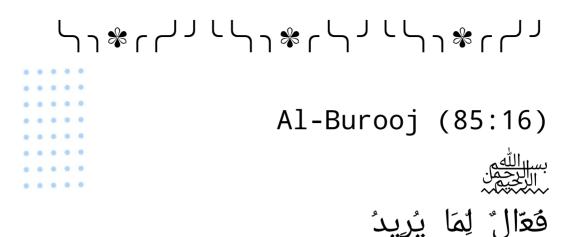


They (the disbelievers, the Jews and the Christians) want to extinguish Allah's Light (with which Muhammad SAW has been sent - Islamic Monotheism) with their mouths, but Allah will not allow except that His Light should be perfected even though the Kafirun (disbelievers) hate (it).

चाहते है कि अल्लाह के प्रकाश को अपने मुँह से बुझा दें, किन्तु अल्लाह अण्डि अपने प्रकाश को पूर्ण किए बिना नहीं रहेगा, चाहे इनकार करनेवालों को अप्रिय ही लगे

তারা আল্লাহ্ র্ক্রর জ্যোতি নিভিয়ে দিতে চায় তাদের মুখ দিয়ে, আর আল্লাহ্ ক্রতার জ্যোতির পূর্ণাঙ্গ সাধন না ক'রে থামছেন না যদিও অবিশ্বাসীরা অসন্তোষ বোধ করছে।





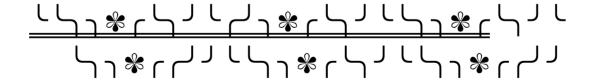
是为所欲为的。

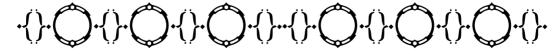
جو چاہے اسے کر گزرنے والا ہے

He طلقه does what He intends (or wills).

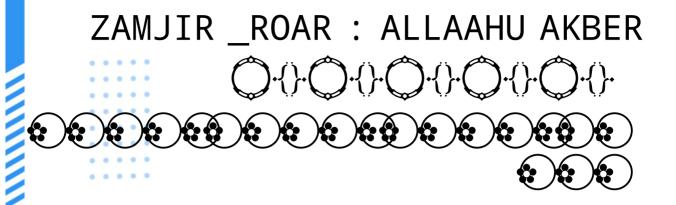
• जो चाहे उसे कर डालनेवाला

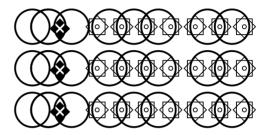
তিনিঋা ৠ যা চাহেন তার একক কর্মকর্তা।











Quantum Physics.....The

Devastating_
...Shytaany_Satanic

Effect....in the ever
expanding universal Mass_
Nuetrons, Protons, and all
Fringe particles are in
constant motion



,collision cours€ ?/demotion affected effectively by selectvely elected conglomerate of fissionable-emotions of various Greko-Rumaany-ZwendAwesthy hues and colours entwined intricately in Goongaa Jhoomnaa Tehzeeby Tamaddan and of course a grand sense of belonging to particular Schismatic Marzy Roghany Rougey



Buzrogy iconic, denomination of Dalleen Sosey wollencoatsoofeee softwared ,Technolgized fabricated in the great Majoosy lands of Daariooos, jerkyXerxes, Ma geaanmagillan magicalmaggi fire of PadreNamkeen-MaadreTalkh DukhtereTwofey_watan... AryaMohraZohraKohra, Daka araa, Pukaaraa, Baakaaraa, Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4HeroXeroMassLames.....Folio.....145



Bargandy

Kontiki_men_hellbent on spreading PURE FASAAD in every nook and corner of the

Ertz,Ardh,Earth,.....wi

th a lot of Nostalgic

Analgesic Pastbut

certainly a bleak

future.....They the

Fireworshippers Love

Aatish_so they are going to

land in their favvy

AAATISHY Abode _NAARU



JAHANNAM...once gor all..That is the crux of their

AllammaMutter_Matter can neither be created nor destroyed_

No matter what i blabber,
....Physical Matter can
neither be created nor
destroyed_of course it may
change from one to the
other
state_Solid,Liquid,Gaseo



us ...Tridentic Triad
TeenTrishul Trayam
Three...

Eg.Water_ H²o

1_Normally Liquid...

2_Frost, Ice, at Low

Temparature....

3_Gas, Vapour at High

Temerature +++Atmospheric

Pressure...Who created

all these Qudraty

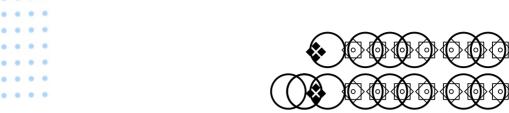
Forces....

Ans: Say Allaahu...The

AlMighty...Khaliqu Kulli



Shyin....



Look at the Vomity Comity of Notions, Uno, Demonocratic Venom Spewing west...Created an Enormous human tragegdy in Palestine...even after 108 years Palestinian Muslims are suffering, More than 1000000 homes , Mosques, Villages, Town, Citie s of peaceful citizens have been BullDozed,,Lakhs of Muslims have been killed, Millions transformed into Refugees...killing and

> Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah Khadija, Marium Jamela, 4Hero Xero Mass Lames..... Folio..... 149

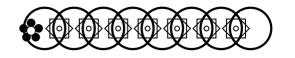


destruction of homes is the

```
State sponsored Tyrranical
    Policy of the Culturally
     Vulturized blood thirsty
            ,Sadists since 108
      years.....watching the
inhuman Tragedies Gleefully on
   their Media ....are the
         gftl BananaLands....
....Baitul Maqdis....Aqsa may
go the Babar way....The demon
of God disLoyal_Qaabid_Disrael
       is working overtime in
  destrution, killings, murders
       and mayhem...spreading
              Fasaad...through
    Mossaaad....of late .this
       State sponsored Terror
Technology is being exported to
barre kabaaer....of course for
                  a hefty Fee.
              Al-Baqara (2:11)
    Let AlQuran Speak, Wake Up Call Series by Kerimah
                 Khadija, Marium Jamela,
```



4HeroXeroMassLames.....Folio.....150



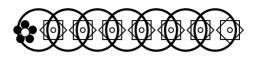
llaahu⁄s Gauntlet thrown at islamphobes, Quran Burners, Muslim Bashers, Hijab Haters, and their ilk.....ألخ...So far none had the timirity to accept the Challengeexcept gibberish blabbar(a)bout muslims and mudslinging....All of the Evil perpetrated on Muslims is destined To Boomarang encompassing the Evil Devilish persona themselves @ Fast approaching DoomsDay

Wait! Hell is in Wait! and a Grand Never Ending Reception is also in Wait



....as Bonus....





....yAa Rabbi...

....remove from my mind

All the buzrugy Rijz -our traditional corrupted software deeply embedded in my psyche since

childhood....acting as an

insurmountable life-long impediment
for my higher faculties ,preventing
me from Configuring YOU and YOUR DEEN

AL-ISLAAMU...

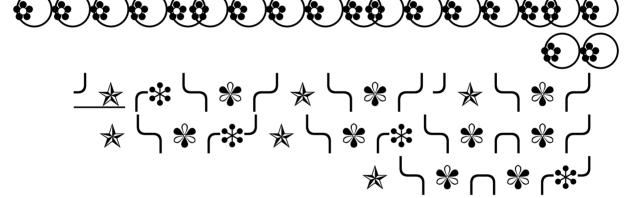
....and my qareen_Haajiz_Shytaan has enticed and overpowered

me...resultantly my damaagh rejects
the quraanic software-because my
buzrugy software has hardened into
steely hardened Hadeed.-



.YOU alone can save me ----otherwise i will surely end up as one of the many Khaasireen...the ultimate hatabu jahannam jahannam استغفر الله و توبُ إليه. Save my lousy soul-aameen yaa Rabb_al Aalameen..

-⊱���⊰-



A REVERT.9_NAU-NUMBER LAYMAN
-NISSAARUDU -HAS LEARNT ÅRABIC
ALL BY SELF_STUDY ..HE ENJOYS
STUDYING AL-QURAANU- WITH
TADABBUR,T'AQEEL,_UNDERSTANDIN
G-ALSO IS TEACHING ÅRABIC



GRAMMAR TO OTHERS + WRITING ISLAMIC BOOKS -

A question asked by Sheikh Abu Ameena Bilaal Philips.√.at Banjara hills,hyderabad,Mera

Bharath Mahaan, }-

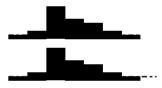
so what then are the fisrt grade number one/1. mislems doing..? Petgiry

,Patelgiry,Daddygiry,ITgiry,Y
Tgiry,FBgiry,WgatsUpGiry,,,,g
iry,,,giry,,,giry,,,

Are they proud of their Shajara
Sherif-Family Trees-their
Lineage -their obsolete
obliterated dark past-their
obsessive adhehence to
pigdin-URDU- and their



delusional indifference to
ARABIC اللغة العربية leaving the quran
Unread, Ununderstood-obviously
Not followed and not practiced
perfectly-finally not
propogated to the ignorant?
-AlKitaabu is kept on the sheves
to gather dust???



♦≭**ः** ८ लेट कुरान स्पीक सीरीज फार

০/९मिस्लेम, লেট কুরআন সস্পেক সিরিজ, ফর ০/৭মিশ্লেম القرءان يتكلم

LET QURAN SPEAK ,WAKE UP,SERIES FOR o/9 mis-lames.....

ר oby Kareema γ



